

आंप्र निक्काय चुनाव पर शेक

हैदराबाद, 24 अक्टूबर
(शुभ लाभ व्यूरो)।
आंध्र प्रदेश में शहरी निकाय
चुनावों को लेकर राजनीतिक
घमासान तेज हो गया है।
सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद
राज्य चुनाव आयोग ने 100
शहरी निकायों में चुनाव प्रक्रिया
पर तत्काल रोक लगा दी है।
इस फैसले पर राष्ट्रीय
जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)
ने कहा कि वह आयोग के
निर्णय का सम्मान करता है,
लेकिन विपक्षी वार्डएसआर
कांग्रेस पार्टी (वार्डएसआर)

रासीपी) पर चुनाव रोकने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

उल्लेखनीय है कि वार्डएसअ-रासीपी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी करने की प्रक्रिया 25 अक्टूबर तक टालने का निर्देश दिया था।

इसके बाद आयोग ने सभी 100 शहरी निकायों में चल रही चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी। अब चुनाव आयोग गरुड़ा को इस संबंध में फैसला

करेगा कि जिन स्थानों पर कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण उम्मीदवार नामांकन दाखिल नहीं कर पाए, वहां नामांकन की अंतिम तारीख बढ़ाई जाए या नहीं।

इस घटनाक्रम के बाद मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री एवं जन-सेना प्रमुख पवन कल्याण और प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष पीवीएन माधव ने संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि



गठबंधन सरकार चुनावों को पारदर्शी, लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

भरोसा किया और गठबंधन को सरकार चलाने की जिम्मेदारी सौंपी।

पिछले दो वर्षों में हमने जनकल्याण, विकास और सुशासन पर ध्यान दिया है। हमने लोगों का विश्वास बहाल किया है।

एनडीए नेताओं ने कहा कि राज्य के विकास के लिए मजबूत स्थानीय निकाय जरूरी हैं। साथ ही, 16वें वित्त आयोग और केंद्र सरकार के अनुरोध प्राप्त करने के लिए समय पर चुनाव कराना भी

आवश्यक है। दूसरी ओर, वाईएसआरसीपी पर निशाना साधते हुए नेताओं ने आरोप लगाया कि पार्टी शुरुआत से ही स्थानीय निकाय चुनावों को रोकने की कोशिश कर रही है। एनडीए नेताओं ने वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल में हुए चुनावों का भी उल्लेख किया। बयान में कहा गया, तब हिंसा और धमकियों के कारण पूरे राज्य में डर का माहौल था। विपक्षी उम्मीदवारों को नामांकन तक दाखिल नहीं करने दिया गया।

वाईएसआरसीपी ने इन जबरन हासिल किए गए नतीजों को जीत के तौर पर मनाया।

आज जब चुनाव कानून के तहत हो रहे हैं, तो वाईएसआरसीपी हर तरह से बाधा डाल रही है।

एनडीए के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि उन्हें लोकतंत्र में पूरा विश्वास है और वे निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए अपना पूरा सहयोग देंगे।

ਦਫ਼ਤਾ ਹਬ ਤੇਲੰਗਾਨਾ

वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय नेतृत्व का लक्ष्य

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (शुभ लाभ व्यूरो)।
मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य को एयरोस्पेस और रक्षा निर्माण (एयरोस्पेस एंड डिफेंस मैयूफैक्चरिंग) में एक राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से सरकार तेलंगाना एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी 2.0 (तेलंगाना एयरोस्पेस और रक्षा नीति 2.0) का अनावरण करेगी। इसका लक्ष्य 2030 तक तेलंगाना को भारत की एयरोस्पेस और रक्षा राजधानी बनाना है।
शनिवार को यहाँ आयोजित रक्षा एक्सपोजे 2026 के पर्दा उड़ाओ (कटन-रेजोर) कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि यह नीति तेलंगाना राइजिंग 2047 (तेलंगाना का उदय 2047) दृष्टिकोण के अनुरूप होगी। इस कार्यक्रम में वैश्विक और राष्ट्रीय रक्षा निर्माताओं तथा रक्षा स्टार्टअप्स के प्रतिनिधियों सहित 90 से अधिक उद्योगपतियों और प्रमूखों ने भाग लिया।

रेवंत रेड्डी ने उद्योगपतियों को 7 से 9 दिसंबर तक भारत प्युचर सिटी में आयोजित होने वाले इन्वेस्ट तेल्गाना ग्लोबल समिट (निवेश तेल्गाना वैश्विक शिखर सम्मेलन) के हिस्से के रूप में रक्षा एक्सपोजे में आमंत्रित किया। उन्होंने निवेशकों को त्वरित स्वीकृतियों (फास्ट-ट्रैक अप्रूवल), भूमि आवंटन और सिंगल-विंडो सिस्टम (एकल-खिड़की प्रणाली) के माध्यम से प्रोत्साहन देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, उनके निदेश की सूरक्षा और उनके मुनाफे को दोगुना करने में मदद के



लिए एक अनुकूल व्यावसायिक माहौल प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि ग्लोबल समिट का यह दूसरा संस्करण और भी बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें रक्षा एक्सपो रक्षा, एयरोस्पेस, अंतरिक्ष और सुरक्षा क्षेत्र के हितधारकों के लिए निवेश और प्रौद्योगिकी के अवसरों को तलाशने के उद्देश्य से एक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा।

कार्यक्रम में डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन), एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड), बीडीएल (भारत डायनामिक्स लिमिटेड), टाटा, एयरबस, सफ़्रान, स्कार्फ़ूट, लॉकहीड मार्टिन और भारत फोर्ज के प्रतिनिधि शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख

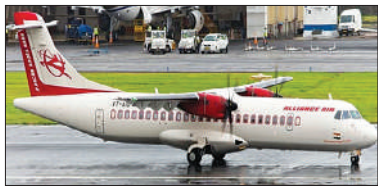
निर्माताओं, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों की भागीदारी से तेलंगाना के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम) को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद रणनीतिक रूप से स्थित है, देश के सबसे सुप्रसिद्ध शहरों में से एक है और भारतीय सेना तथा वायु सेना के अनुसंधान संस्थानों व रणनीतिक प्रतिष्ठानों का केंद्र है। यद्यपि तेलंगाना दक्षिण भारत का एकमात्र भू-आबद्ध (लैंडलॉक) राज्य है, फिर भी यह भारतीय नौसेना को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। बिकाराबाद जिले के दामागुणम आरक्षित वन में एक वेरी लो फ्रीक्वेंसी (वीएलएफ) नौसेना रडार स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। तेलंगाना में एयरोस्पेस और रक्षा निर्माण का समर्थन करने के लिए आवश्यक प्रतिभा और संस्थान मौजूद हैं, जिनमें आईआईटी, आईआईआईटी, एनआईटी, आईएसबी और बिस्ट-पिलाना शामिल हैं। सरकार मंग्य इंडिया स्क्रिप्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित कर रही है और कुशल जनशक्ति तैयार करने के लिए आईटीआई को एडवांस्ड ट्रेनिंग सेंटर (एटीसी) में बदल दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य में सफल इन्क्यूबेटर्स भी स्टार्टअप और नवाचार का समर्थन करेंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत को रक्षा प्रौद्योगिकियों के आयात से हटकर उनके निर्यात की दिशा में बढ़ना चाहिए और इस क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभरना चाहिए। ▶ **8** ए

अंबिकापुर-हैदराबाद हवाई सेवा 27 से सप्ताह में तीन दिन मिलेगी सुविधा

सरगुजा, 24 अक्टूबर (एनएसियां)।
अंबिकापुर से रायपुर और जगदलपुर होते हुए हैदराबाद जाने वाली विमान सेवा 27 अक्टूबर से शुरू होगी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुमति मिलने के बाद एलायंस एयर ने फ्लाइट का शेड्यूल जारी कर दिया है। कंपनी ने टिकटों की बुकिंग भी शुरू कर दी है।

एलायंस एयर फिलहाल अंबिकापुर से दिल्ली के लिए विमान सेवा संचालित कर रही है। वहीं, हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर के बीच भी कंपनी की फ्लाइट पहले से चल रही है। अब इस सेवा का विस्तार अंबिकापुर तक किया गया है। इससे अंबिकापुर से हैदराबाद जाने वाले यात्रियों को रायपुर और जगदलपुर होते हुए हैदराबाद पहुंचने की सुविधा मिलेगी। अंबिकापुर से रायपुर और जगदलपुर होते हुए हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को संचालित होगी। फिलहाल यह विमान सेवा रायपुर से हैदराबाद के बीच चल रही है। अब इसे अंबिकापुर तक बढ़ाया जाएगा।



विस्तारित किया गया है। एलायंस एयर ने 27 अक्टूबर से अंबिकापुर से रायपुर के लिए टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है। बुकिंग वेबसाइट में कुछ बदलाव किए जाने के बाददाइत में अंबिकापुर से सीधे हैदराबाद तक की टिकट बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। फ्लाइटों के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, हैदराबाद से विमान सुबह 9:30 बजे रवाना होकर जगदलपुर और रायपुर होते हुए दोपहर 1:20 बजे अंबिकापुर पहुंचेगा। अंबिकापुर से विमान दोपहर 2:05 बजे रवाना होगा। इसके बाद यह दोपहर 3:05 बजे रायपुर, शाम 4:25 बजे जगदलपुर और शाम 6:10 बजे हैदराबाद पहुंचेगा। दरिमा एयरपोर्ट के निदेशक डॉ. सुशील श्रीवास्तव ने बताया कि एलायंस एयर ने फ्लाइट का शेड्यूल जारी

कर दिया है। इस सेवा के शुरू होने से अंबिकापुर सिधे रायपुर, जगदलपुर और हैदराबाद से जुड़ जाएगा। एलायंस एयर ने मार्च 2026 में अंबिकापुर से दिल्ली और कोलकाता के लिए विमान सेवाएं शुरू की थीं। हालांकि, यात्रियों की संख्या कम होने के कारण पांच महीने बाद सितंबर में इन सेवाओं को बंद कर दिया गया। फ़िलहाल सोमवार और बुधवार को अंबिकापुर से बिनासपुर होते हुए दिल्ली के लिए फ़्लाइट संचालित हो रही है। पिछले दिनों दिल्ली की फ़्लाइट नियमित रूप से संचालित नहीं हो रही थी। इस वजह से यात्रियों की संख्या कम हो गई थी। बताया गया है कि अब एलायंस एयर के सभी विमान ठीक हो गए हैं और उड़ान सेवा नियमित कर दी गई है। एलायंस एयर ने रायपुर-अंबिकापुर-वाराणसी फ़्लाइट का शेड्यूल भी जारी किया है। हालांकि, इस सेवा को अभी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुमति नहीं मिली है। अनुमति मिलने के बाद यह विमान सेवा भी शुरू हो सकती है।

अनंत सिंह निष्कासित

नीरज कुमार पर भड़के मोकामा विधायक, बोले- बहुत तंग किया है, अब हिसाब होगा।

पटना, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जनता दल (यूनाइटेड) से निष्कासित किए जाने से ठीक पहले बाहुबली नेता और कामा विधायक अनंत सिंह बेहद तक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने तावनी भरे लहजे में कहा कि उन्हें बहुत प्यारा किया गया है और अब इसका हिसाब लेंगे। उन्होंने कहा कि वह अब किसी को नहीं छोड़ेंगे।

मीडिया से बातचीत के दौरान अनंत सिंह अपनी बेबाक शैली में कहा कि उन्हें किसी त क डर नहीं है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि उनके पास बगवात करने और हमी बात खुलकर रखने के पर्याप्त कारण जनता दल (यूनाइटेड) के प्रवक्ता एण धान परिषद सदस्य (एमएलसी) नीरज मार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने हा, वह प्रधानमंत्री हैं क्या, जो मुझे मंत्री ला देंगे? चुनाव और राजनीति पर बात करते अनंत सिंह ने कहा कि जनता उनके लिए बगवान हैं उन्हें ऊहें जीने की खोशी या मरने



का कोई गम नहीं है। उनके इन तीखे तेवरों से साफ जाहिर हो रहा था कि पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है।

अनंत सिंह के इन बयानों और राजनीतिक गतिविधियों के नेतृत्व के तुरंत बाद जमाना दल (यूनाइटेड) के नेतृत्व ने कड़ा रुख अपनाया। (पूना से) मैं अनुयायनहीनता, लगातार निर्देशों की अवहेलना और नेतृत्व के खिलाफ अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल के आरोप में बड़ी कार्रवाई की। मैं हैपार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की ओर से जारी आधिकारिक घोषणा के अनुसार, विधायक अनंत सिंह के

प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है और उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की भी सिफारिश की गई है।

इसके अलावा, अनंत सिंह की पत्नी एवं पूर्व विधायक नीलम देवी को भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते छह साल के लिए पार्टी से निष्काशित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अनंत सिंह ने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ जाकर जन सुराज समर्थित प्रत्यार्षा का समर्थन किया था और उसके पक्ष में खुलकर प्रचार किया था। इसी भागवत के बाद से पार्टी के भीतर उनके खिलाफ कार्रवाई तय मानी जा रही थी। कार्रवाई से ठीक पहले केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हुई मुलाकात और उसके बाद लिए गए इस फैसले ने बिहार की राजनीति में हलचल तेज कर दी है।



नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एएसिया)।
दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के बाद अब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की दीवारों पर लिखे नारों को लेकर विवाद सामने आया है। शनिवार को जेएनयू परिसर में फ्री उमर डालिद और लॉग लिब नक्सलबाडी के नारे लेखे मिले। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले का संज्ञा लेते हुए जांच शुरू कर दी है। वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने इन नारों पर आपत्ति जताते हुए जेजेमदफा लॉगों की पहचान कर उनके खेलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।
इस मामले से स्पष्ट सामने आया है, जब



एक दिन पहले जामिया मिल्लिया इस्लामियाय की दीवारों पर फ्री कश्मीर और फ्री शरजीत इमाम जैसे नारे लिखे मिलने के बाद विवाह खड़ा हो गया था। जामिया में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन चल रहा है। अब जेएनयू में मिले नारों को लेकर भी विवाद शुरू हो गया है। जेएनयू प्रशासन भी विवाद का सजाव लेते हए जांच शुरू कर दे

है। एक अधिकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय परिसर की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को बद्रीशत नहीं किया जाएगा। जेएनयू से जुड़े सूर्यों ने भी कहा कि इस तरह की लिखावट स्वीकार नहीं की जाएगी। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दीवारों पर नारे किसने लिखे थे। विश्वविद्यालय प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। जेएनयू की एबीवीपी इकाई ने इस घटना पर आपत्ति जताई है। संगठन ने आरोप लगाया कि वामपंथी छात्र संगठन परिसर का शैक्षणिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

हृतियों का सऊदी तेल ठिकानों पर हमला

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ईरान समर्थित यमन के हूती समूह ने उन खबरों से इनकार किया है, जिनमें कहा गया था कि उसने इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहरों मक्का और मदीना को निशाना बनाकर हमला किया। सऊदी अरब ने कहा था कि उसने इन क्षेत्रों की ओर दागी गई मिसाइलों को रोक दिया है और कई स्थानों पर उनके मलबे के गिरने की जानकारी मिली है।

मिलने ने कहा कि उनके सैन्य अभियानों का निशाना सऊदी अरब की तेल सुविधाएं और सैन्य ठिकाने हैं। समूह ने कहा कि जब भी वह इस तरह के हमले करता है, तो इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा करता है। हूतियों का यह इनकार ऐसे समय में आया है, जब सऊदी अरब और हूतियों के बीच



सीमा पार तनाव फिर बढ़ गया है।

सऊदी अरब की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि मक्का और मदीना क्षेत्रों में रोकी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों के टुकड़े गिरे। मलबा मक्का के पास और जेद्दा, ताइफ़ तथा रबिघ में भी मिलने की जानकारी दी गई। हालांकि, हतियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने मक्का और मदीना को निशान नहीं बनाया।



नेपाल-भारत पर्यटन साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए 26-28 अक्टूबर तक ट्रांस बार्डर टूरिज्म कनेक्ट 2026

काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच पर्यटन साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से आगामी 26 से 28 अक्टूबर तक नेपाल-भारत ट्रांस बार्डर टूरिज्म कनेक्ट 2026 कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अप्रवासी नेपाली संघ (एनआरएनए) के अंतरराष्ट्रीय समन्वय परिषद (आईसीसी) और समृद्ध चितवन अभियान के संयुक्त आयोजन में यह कार्यक्रम होने जा रहा है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं एनआरएनए आईसीसी के प्रवक्ता सोमनाथ सापकोटा के अनुसार, नेपाल-भारत पर्यटन साझेदारी का विस्तार करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा

रहा है। कार्यक्रम का नारा है, सीमाओं को जोड़ते हुए, मित्रता बढ़ाते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना।

सापकोटा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन बाजार में नेपाल का प्रभावी प्रचार करना, नेपाली और भारतीय पर्यटन व्यवसायियों के बीच प्रत्यक्ष व्यावसायिक संबंध स्थापित करना तथा नेपाल के पर्यटन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नेटवर्क से जोड़ना है। उनका कहना है कि भारतीय पर्यटकों को नेपाल के धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, वन्यजीव और साहसिक पर्यटन स्थलों से जोड़कर देश के पर्यटन क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं पैदा की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल में

पर्यटन को बढ़ावा देना केवल प्रचार सामग्री वितरित करने से संभव नहीं है। इसके लिए भारतीय पर्यटन व्यवसायियों को नेपाल के पर्यटन स्थलों का प्रत्यक्ष भ्रमण कराना, होटल और रिसार्ट संचालकों से मुलाकात करवाना, उपलब्ध सेवाओं एवं सुविधाओं की जानकारी देना और व्यावसायिक साझेदारी के लिए आधार तैयार करना जरूरी है। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न शहरों से 21 पर्यटन व्यवसायी और प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। वे नेपाली पर्यटन व्यवसायियों, होटल एवं रिसार्ट संचालकों तथा स्थानीय पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ प्रत्यक्ष मुलाकात और व्यावसायिक चर्चा करेंगे। इस दौरान

व्यावसायिक बैठकें, परिचयात्मक भ्रमण, पर्यटन पैकेज तैयार करने और भविष्य में पर्यटकों की नियमित आवाजाही बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सापकोटा के अनुसार, इस पहल के तहत लुंबिनी, रामग्राम, देवघाट, नवलपुर और चितवन को एक ही पर्यटन सर्किट से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। साथ ही, भरतपुर महानगरपालिका, कपिलवस्तु नगरपालिका, लुंबिनी सांस्कृतिक नगरपालिका, तिलोत्तमा नगरपालिका, देवदह नगरपालिका और रामग्राम नगरपालिका सहित विभिन्न क्षेत्रों को पर्यटन नेटवर्क से जोड़कर क्षेत्रीय पर्यटन सहयोग का विस्तार करने की योजना है।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू जीतें या हारें, फिलिस्तीनियों की मुश्किलें रहेंगी बरकरार, इजराइल की राजनीति में बदला दो देशों का एजेंडा

तेलअवीव। इजराइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता का भविष्य तय होगा, लेकिन फिलिस्तीनियों के हालात में बड़े बदलाव की उम्मीद कम दिखाती है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि नेतन्याहू के विरोध में खड़ी कई राजनीतिक पार्टियां भी



फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश बनाने के मुद्दे पर स्पष्ट समर्थन नहीं दे रही है। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल की राजनीति में दक्षिणपंथी विचारधारा का प्रभाव बढ़ा है और दो देशों के समाधान का समर्थन करने वाली वामपंथी पार्टियों का रुख भी पहले की तुलना में कमजोर हुआ है। इजराइल में वामपंथ और दक्षिणपंथ के बीच अंतर लंबे समय तक फिलिस्तीनियों के साथ संबंधों और जमीन के विवाद को लेकर रहा है। वामपंथी दल बातचीत, समझौते और इजराइल के साथ एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी देश बनाने की वकालत करते रहे हैं। इसके विपरीत दक्षिणपंथी पार्टियां फिलिस्तीनी राज्य के गठन का विरोध करती हैं और कच्चे वाले क्षेत्रों में यहूदी बस्तियों के विस्तार का समर्थन देती हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हम्रास के हमले और उसके बाद गाजा में शुरू हुए युद्ध ने इजराइल की राजनीति को और अधिक दक्षिणपंथी दिशा में मोड़ दिया है। इजराइल की संसद को नेसेट कहा जाता है, जिसमें कुल 120 सीटें हैं।

पाकिस्तान ने फिर छेड़ा कश्मीर और सिंधु जल का मुद्दा



इस्लामाबाद। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु की राजकीय यात्रा के दौरान पाकिस्तान ने एक बार फिर कुटनीतिक शिष्टाचार को दरकिनार करते हुए कश्मीर और सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मुइज्जु के तीन दिवसीय दौरे के समय हुई द्विपक्षीय बातचीत में कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार सुलझाने की एग्रीमि बाते दोहराई। भारत का इस पर हमेशा से स्पष्ट रुख रहा है कि 1972 के शिमला समझौते के तहत कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष या अंतरराष्ट्रीय मंच की कोई भूमिका नहीं हो सकती। बातचीत के दौरान शहबाज शरीफ ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के निर्णय पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मालदीव के राष्ट्रपति के सामने अपनी शिकायत रखते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान किया जाना चाहिए और साझा जल संसाधनों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। शरीफ ने यह धमकी भी दी कि पाकिस्तान इस संधि के किसी भी उल्लंघन को युद्ध की कार्रवाई मानेगा। ज्ञात हो कि एक बर्बर अलतकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत ने साफ कर दिया है कि जब तक सीमा पर से आतंकवाद पूरी तरह बंद नहीं होता, तब तक यह संधि बहाल नहीं की जाएगी और खून तथा पानी एक साथ नहीं बह सके।

बद्र समझौते के साथ ही रक्षा सहयोग बढ़ाने की तैयारी में मुस्लिम देश



दोहा। पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए बद्र समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कतर की राजधानी दोहा में हुए इस करार के तहत चारों देश हथियारों का संयुक्त उत्पादन करने और सैन्य तकनीक, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे। इस साझेदारी का उद्देश्य रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत करना और विदेशी देशों से हथियारों की आपूर्ति पर निर्भरता कम करना है। कतर की रक्षा कर्पणियों को लंबे समय तक आर्डर मिल सकते हैं, जबकि पाकिस्तान और इंडोनेशिया को अपने यहां हथियार निर्माण और रखरखाव की तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी। कतर निवेश के जरिए इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। चारों देशों के बीच रक्षा सहयोग पहले से अलग-अलग स्तर पर जारी है।

ईरान की अमेरिका को चेतावनी : फारस की खाड़ी में लौटने का सपना ही देख सकता है वाशिंगटन

तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि वाशिंगटन केवल फारस की खाड़ी में दोबारा अपनी सैन्य मौजूदगी स्थापित करने का सपना देख सकता है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी सेना अमेरिकी नौसेना को इस रणनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए तैयार है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के मुताबिक, अब्दुल्लाही ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य ताकत को लेकर किए जा रहे दावे और ईरान की क्षमताओं को लेकर उसके आकलन में विरोधाभास है। हालांकि, अमेरिकी नौसेना की क्षमताओं और क्षेत्र में उसकी मौजूदगी को लेकर ईरानी कमांडर के दावों को स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

ईरानी सैन्य प्रमुख ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में अमेरिकी सैन्य जहाजों को फारस की खाड़ी में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की क्षमताओं को ईरानी सैन्य कार्रवाई से गंभीर नुकसान पहुंचा है।

अब्दुल्लाही ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी सेना और युद्धपोतों की इस क्षेत्र में वापसी की केवल कल्पना कर सकते हैं। उनके बयान से संकेत मिलता है कि तेहरान फारस की खाड़ी और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का विरोध जारी रखना चाहता है। उन्होंने ट्रम्प के उन बयानों पर भी सवाल उठाया, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि ईरान की परमाणु सुविधाओं को नष्ट कर दिया गया है।

ईरानी कमांडर ने सवाल किया कि यदि परमाणु ठिकाने पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं, तो अमेरिकी प्रशासन



इस मुद्दे को बार-बार क्यों उठा रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयानों का उद्देश्य अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जनता को प्रभावित करना है।

अमेरिका लंबे समय से यह सुनिश्चित करने पर जोर देता रहा है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करे। दूसरी ओर, तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगाए जाने वाले कई आरोपों को खारिज करता रहा है।

फारस की खाड़ी से अरब सागर की ओर जाने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इस रास्ते से बड़ी मात्रा में वैश्विक तेल और गैस का परिवहन होता है। यहां सैन्य टकराव या जहाजों की आवाजाही से रुकावट का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है।

अब्दुल्लाही ने सवाल उठाया कि यदि ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो चुकी हैं, जैसा कि वाशिंगटन दावा करता है, तो अमेरिकी युद्धपोत होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान की समुद्री सीमाओं के करीब आने से क्यों बचते हैं।

हालांकि, इस बयान को ईरानी कमांडर के दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए। समुद्री क्षेत्र में अमेरिकी

सैन्य गतिविधियों का वास्तविक स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है।

अब्दुल्लाही ने कहा कि ईरान का राजनीतिक नेतृत्व, जनता, सैन्य बल और अधिकारी अमेरिका तथा इजरायल के खिलाफ अपनी रणनीति जारी रखने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने दावा किया कि संघर्ष जितना लंबा चलेगा, विरोधी देशों को उतनी ही अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

ईरानी पक्ष ने जून 2025 में हुए 12 दिवसीय संघर्ष और 28 फरवरी 2026 से शुरू हुए दूसरे सैन्य टकराव का हवाला देते हुए दावा किया कि उसकी जवाबी कार्रवाई ने विरोधियों को युद्धविराम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया। इन घटनाओं और युद्धविराम से जुड़े दावों को स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

फिलहाल, ईरानी सैन्य नेतृत्व के ताजा बयान से स्पष्ट है कि तेहरान फारस की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का विरोध कर रहा है। दूसरी ओर, इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर अमेरिका की नीति भी विवाद का प्रमुख विषय बनी हुई है।

प्राशांत महासागर में बन रहे अल नीनो पर लगातार नजर रख रही नासा



वाशिंगटन। प्राशांत महासागर में बन रहे एक ऐतिहासिक अल नीनो पर नासा के अर्थ आर्वाइंग सैटलाइट्स लगातार नजर रख रहे हैं। इस बार में नेशनल ओशनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (नोआ) ने चेतावनी दी है कि यह 1950 के बाद का सबसे ताकतवर अल नीनो हो सकता है, जिसकी 83 प्रतिशत संभावना है। इस शक्तिशाली मौसमी बदलाव का सीधा असर दुनिया भर के किसानों, तटीय समुदायों और वैश्विक मौसम पर पड़ने लगा है, क्योंकि प्राशांत महासागर के भूमध्यरेखीय हिस्से में पानी का तापमान सामान्य से काफी अधिक बढ़ गया है और हवाओं की दिशा भी पूरी तरह गड़बड़ गई है। इस ऐतिहासिक अल नीनो का पहला सुराग जनवरी 2026 में पश्चिमी प्राशांत महासागर में माइक्रोनेशिया के पास गर्म पानी की हलचल के रूप में मिला, जिसे वैज्ञानिकों ने केल्विन वेव नाम दिया। ये पानी के भीतर हजारों मील लंबी और धीमी गति से चलने वाली तरंगें होती हैं जो पश्चिम से पूर्व की ओर भारी मात्रा में गर्मी का स्थानांतरण करती हैं। इन तरंगों के कारण पूर्वी प्राशांत क्षेत्र में पानी का फैलाव बढ़ा जिससे स्थानीय जलस्तर में 30 से 40 सेंटीमीटर तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि इंडोनेशिया और उत्तरी आस्ट्रेलिया के आसपास जलस्तर 15 से 20 सेंटीमीटर तक घट गया।

कीव/वाशिंगटन

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्स्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर तीखा हमला बोलेते हुए उनके बयानों को पूरी तरह से झूठा बताया है। जेलेन्स्की ने आरोप लगाया कि ट्रम्प अमेरिका में डीजल की बढ़ती कीमतों के लिए रूस की तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन के हमलों को जिम्मेदार ठहराकर असली मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके मुताबिक, वैश्विक ऊर्जा संकट की प्रमुख वजहों में ईरान से जुड़ा संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधित समुद्री यातायात शामिल हैं।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब रूस के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर यूक्रेन के हमलों और वैश्विक ईंधन आपूर्ति को लेकर वाशिंगटन और कीव के बीच तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, स्टीवन बार्टलेट के पाडकास्ट द डायरी आफ ए सीईओ में

बातचीत के दौरान जेलेन्स्की ने कहा कि रूसी डीजल निर्यात का अमेरिका में ईंधन की कीमतों पर सीधा प्रभाव सीमित है। उन्होंने ट्रम्प के दावों को गलत जानकारी करार दिया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति ऊर्जा की कीमतों को लेकर इतने चिंतित हैं, तो अमेरिकी कंपनियों पर यूक्रेन से देशों को ऊर्जा का निर्यात क्यों जारी रखती हैं? कहा कि निजी क्षेत्र के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का सवाल भी इसी बहस से जुड़ा है। जेलेन्स्की ने ट्रम्प पर ईरान से जुड़े संकट से ध्यान हटाने के लिए यूक्रेन को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हर समस्या का दोष यूक्रेन पर डाल दिया जाता है और देश के नेता के तौर पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया जाता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के अनुसार, मौजूदा ऊर्जा संकट की जड़ होर्मुज जलडमरूमध्य में है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वहां जहाजों की आवाजाही और तेल निर्यात प्रभावित होने से



अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में दबाव बढ़ सकता है।

ट्रम्प लगातार यूक्रेन से रूसी तेल रिफाइनरियों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने की अपील करते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का तर्क है कि ऐसे हमलों से ईंधन की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होती है और कीमतों में तेजी आ सकती है। ट्रम्प ने जेलेन्स्की पर वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए मुश्किलें बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तुलना में जेलेन्स्की के साथ बातचीत करना अधिक



कठिन रहा है। इसके अलावा, उन्होंने संकेत दिया कि यूक्रेन को ऐसा नेतृत्व चाहिए, जो अमेरिका की मध्यस्थता संबंधी कोशिशों में बाधा न डाले।

रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक ईंधन संकट को कम करने के उद्देश्य से वाशिंगटन ने रूसी डीजल निर्यात पर लगे कुछ प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दी थी। इस कदम की जेलेन्स्की ने आलोचना करते हुए इसे कमजोर फैसला बताया।

वहीं, रूस ने अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में डीजल की आपूर्ति बढ़ाने पर सहमति जताई है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, मास्को ने तत्काल 3 लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के अतिरिक्त नवंबर में 5 लाख टन और बाद के चरणों में अलाबिका आपूर्ति की योजना बताई है। आगे की मात्रा रिफाइनरियों की उत्पादन क्षमता पर निर्भर करेगी। मास्को का दावा है कि यूक्रेन द्वारा रूसी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले जारी रखने से ईंधन आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, कीव का कहना है कि रूस के खिलाफ उसके हमले युद्ध के दौरान

की जाएगी।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि सैन्य अधिकारी युद्धविराम के समय और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने मानवीय अभियान में मेलानिया ट्रम्प की भूमिका की सराहना करते हुए इसे महत्वपूर्ण योगदान बताया। उन्होंने इस अभियान के समन्वय में रूस की मानवाधिकार आयुक्त याना लांत्रतोवा और यूक्रेन के मानवाधिकार आयुक्त दिमित्री लुबिनेट्स के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

वहीं, मास्को ने कीव पर आरोप लगाया है कि उसने मानवीय संकट को बढ़ावा दिया और

नागरिकों तक राहत सामग्री पहुंचाने वाले रास्तों को निशाना बनाया। रूसी विदेश मंत्रालय के दूत रोडियन मिरोशनिच ने पहले शहर की स्थिति को आधुनिक तरीकों से की गई मध्ययुगीन घेराबंदी बताया था। उन्होंने यूक्रेनी सेना पर स्थानीय लोगों को शहर छोड़ने से रोकने का आरोप भी लगाया।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और यूक्रेन की ओर से इस मामले में प्रतिनिधि की जानकारी उपलब्ध विवरण में नहीं दी गई है। क्रेमलिन के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस महीने की शुरुआत में फोन पर बातचीत के दौरान अल्योशकी के मानवीय संकट पर चर्चा की है।

उसकी सैन्य रणनीति का हिस्सा हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी जेलेन्स्की पर वैश्विक डीजल संकट को कम करने के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया है। मास्को का कहना है कि रूसी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर यूक्रेनी हमले अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की उपलब्धता को प्रभावित कर सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें ट्रम्प प्रशासन के लिए एक अहम घरेलू मुद्दा बन गई हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सितंबर में कुछ अमेरिकी बाजारों में डीजल की कीमतें 6.50 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गईं, जबकि कैलिफोर्निया के कुछ इलाकों में यह आंकड़ा 8 डॉलर प्रति गैलन के पार चला गया।

गौरतलब है कि, आगामी 3 नवंबर को होने वाले मध्यवर्धि चुनावों से पहले ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी अमेरिकी प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। इधर, हाल के महीनों में यूक्रेन ने रूस के भीतर ऊर्जा और अन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए हमले तेज किए हैं।

मेलानिया ट्रम्प की मध्यस्थता से रूस-यूक्रेन के बीच अस्थायी युद्धविराम, अल्योशकी में राहत की उम्मीद

मास्को/कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच खरसान क्षेत्र के फ्रंटलाइन शहर अल्योशकी में फंसे नागरिकों के लिए राहत की उम्मीद जगी है। क्रेमलिन के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रम्प की मध्यस्थता के बाद रूस और यूक्रेन के बीच अस्थायी युद्धविराम को लेकर सहमति बनी है। इसका उद्देश्य शहर में जरूरतमंद नागरिकों तक भोजन, साफ पानी और दवाएं पहुंचाना तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर निकालना है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, व्लाडि हाउस ने इस समझौते की घोषणा की। दोनों पक्षों के 29 अक्टूबर से शहर में सैन्य अभियान रोकने पर सहमत होने की बात कही गई है। हालांकि, युद्धविराम के प्रभावी समय और जमीनी स्तर पर इसके क्रियाचयन को लेकर सैन्य अधिकारियों के बीच समन्वय जारी है।

खरसान क्षेत्र में फ्रंटलाइन के पास स्थित अल्योशकी में कथित तौर पर करीब 1,500 से 2,000 नागरिक फंसे हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या बुजुर्गों की बताई जा रही है। शहर में भोजन, पानी, दवाओं और अन्य जरूरी वस्तुओं की भारी कमी है। ड्रोन हमलों और दूर से बिछाई गई बारूदी



सुरंगों के खतरे के कारण राहत सामग्री पहुंचाने और नागरिकों को बाहर निकालने के प्रयास प्रभावित हुए हैं। ऐसे में प्रस्तावित युद्धविराम से मानवीय सहायता अभियान शुरू करने और सुरक्षित निवासी का रास्ता खुलने की उम्मीद है।

मेलानिया ट्रम्प ने शहर की स्थिति को बेहद गंभीर बताते हुए इसे तबाही के कगार पर खड़ा फ्रंटलाइन युद्धग्रस्त क्षेत्र करार दिया। उनके अनुसार, वहां बचे लोगों में ज्यादातर बुजुर्ग हैं, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता, दवाओं, भोजन और स्वच्छ पेयजल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के नागरिक प्रतिनिधि प्रभावित लोगों की जरूरतों का आकलन करेंगे। साथ ही, नागरिकों की इच्छा के अनुसार उन्हें रूस या यूक्रेन में सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में मदद

की जाएगी।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि सैन्य अधिकारी युद्धविराम के समय और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने मानवीय अभियान में मेलानिया ट्रम्प की भूमिका की सराहना करते हुए इसे महत्वपूर्ण योगदान बताया। उन्होंने इस अभियान के समन्वय में रूस की मानवाधिकार आयुक्त याना लांत्रतोवा और यूक्रेन के मानवाधिकार आयुक्त दिमित्री लुबिनेट्स के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

वहीं, मास्को ने कीव पर आरोप लगाया है कि उसने मानवीय संकट को बढ़ावा दिया और नागरिकों तक राहत सामग्री पहुंचाने वाले रास्तों को निशाना बनाया। रूसी विदेश मंत्रालय के दूत रोडियन मिरोशनिच ने पहले शहर की स्थिति को आधुनिक तरीकों से की गई मध्ययुगीन घेराबंदी बताया था। उन्होंने यूक्रेनी सेना पर स्थानीय लोगों को शहर छोड़ने से रोकने का आरोप भी लगाया।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और यूक्रेन की ओर से इस मामले में प्रतिनिधि की जानकारी उपलब्ध विवरण में नहीं दी गई है। क्रेमलिन के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस महीने की शुरुआत में फोन पर बातचीत के दौरान अल्योशकी के मानवीय संकट पर चर्चा की है।

उसकी सैन्य रणनीति का हिस्सा हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी जेलेन्स्की पर वैश्विक डीजल संकट को कम करने के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया है। मास्को का कहना है कि रूसी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर यूक्रेनी हमले अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की उपलब्धता को प्रभावित कर सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें ट्रम्प प्रशासन के लिए एक

अहम घरेलू मुद्दा बन गई हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सितंबर में कुछ अमेरिकी बाजारों में डीजल की कीमतें 6.50 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गईं, जबकि कैलिफोर्निया के कुछ इलाकों में यह आंकड़ा 8 डॉलर प्रति गैलन के पार चला गया।

गौरतलब है कि, आगामी 3 नवंबर को होने वाले मध्यवर्धि चुनावों से पहले ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी अमेरिकी प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। इधर, हाल के महीनों में यूक्रेन ने रूस के भीतर ऊर्जा और अन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए हमले तेज किए हैं।

भाजपा तेलंगाना के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मीर फिरासत अली बाकरी ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार के माननीय श्री बी. एल. वर्मा जी को महेश गिरि ग्रेस के अवसर पर सम्मानित किया।

त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक साधना के प्रतीक थे सिद्ध शिरोमणि बाबा जयरामदास जी महाराज

शरद पूर्णिमा पर 25 अक्टूबर को मनेगा जन्मोत्सव, पाली धाम में श्रद्धा और भक्ति का विशेष आयोजन

भारतीय संत परंपरा में ऐसे अनेक महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, साधना और आध्यात्मिक जीवन से समाज को नई दिशा प्रदान की। इन संतों की शिक्षाएं आज भी मानव जीवन को सदाचार, सेवा, संयम और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के पाली गांव से जुड़ी आध्यात्मिक परंपरा में सिद्ध परमहंस, सिद्ध शिरोमणि 1008 बाबा श्री जयरामदास जी महाराज का विशेष स्थान है। बाबा जी का जीवन श्रद्धालुओं के लिए आस्था, वैराग्य और आध्यात्मिक चेतना का प्रेरण-स्रोत माना जाता है। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार, 25 अक्टूबर को उनका जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा।

बाबा श्री जयरामदास जी महाराज का जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि संत परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने और उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने का अवसर है। संत-महापुरुषों का जीवन हमें सिखाता है कि मनुष्य की वास्तविक महानता धन-संपत्ति, पद-प्रतिष्ठा अथवा सांसारिक वैभव में नहीं, बल्कि उसके विचारों की पवित्रता, आचरण की श्रेष्ठता और मानवता के प्रति समर्पण में निहित होती है। बाबा जी के जन्मोत्सव पर उनके जीवन, साधना और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करना इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है।

पाली की पावन धरा पर हुआ था बाबा जी का जन्म

उपलब्ध ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, बाबा श्री जयरामदास जी महाराज का जन्म 7 अक्टूबर 1862 को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के पाली गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम श्योजी सिंह तथा माता का नाम ओदाबाई बताया जाता है। ग्रामीण परिवेश में जन्मे बाबा जी के जीवन से जुड़ी परंपराएं सादगी, आध्यात्मिक रुचि और वैराग्य की भावना को प्रमुखता से रेखांकित करती हैं।

भारतीय संत परंपरा में अनेक महापुरुषों ने सामान्य पारिवारिक और सामाजिक परिवेश से निकलकर साधना के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई। उनका जीवन इस बात का उदाहरण रहा कि आध्यात्मिक उन्नति के लिए मन की निर्मलता, दृढ़ संकल्प और आत्मानुशासन महत्वपूर्ण हैं। बाबा जयरामदास जी महाराज की जीवनगाथा भी इसी संत परंपरा से जुड़ी मानी जाती है। उनके प्रति श्रद्धालुओं की आस्था समय के साथ व्यापक होती गई और उनका नाम क्षेत्र की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

सांसारिक मोह-माया से विरक्ति और साधना का मार्ग

बाबा जयरामदास जी महाराज के जीवन से संबंधित परंपरागत विवरणों में उनके वैराग्य और आध्यात्मिक साधना का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि सांसारिक जीवन के बीच रहते हुए उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर आकर्षित हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने साधना के मार्ग को अपने जीवन का प्रमुख ध्येय बनाया और सांसारिक आकर्षणों से ऊपर उठकर आत्मिक उन्नति की दिशा में कदम बढ़ाए।

वैराग्य का अर्थ संसार के प्रति घृणा नहीं, बल्कि मोह और स्वार्थ से ऊपर उठकर जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझना है। भारतीय दर्शन में त्याग को आत्मिक शांति और आत्मबोध की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया है। संतों का जीवन इस विचार को व्यवहार में उतारने की प्रेरणा देता है। बाबा जी के जीवन के प्रति श्रद्धालुओं का सम्मान भी उनकी इसी आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है।

साधना का मार्ग धैर्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास की मांग करता है। इस मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अपने मन को नियंत्रित करने, विचारों को शुद्ध रखने और जीवन में संयम अपनाने का प्रयास करता है। बाबा जयरामदास जी महाराज की स्मृति श्रद्धालुओं को इसी प्रकार के आध्यात्मिक मूल्यों का स्मरण कराती है।

गुरु परंपरा से मिली आध्यात्मिक दिशा

बाबा श्री जयरामदास जी महाराज के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, उन्होंने बाबा चांदोदास जी से दीक्षा प्राप्त की थी। गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर रही है। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि साधक को अनुशासन, विवेक और आत्मचिंतन की दिशा दिखाने वाला मार्गदर्शक भी होता है।

आध्यात्मिक जीवन में गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण का विशेष महत्व है। गुरु का मार्गदर्शन साधक को अपने भीतर की कमजोरियों को पहचानने, विचारों को परिष्कृत करने और जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है। भारतीय संत



पहुंचाने का भी अवसर होता है। बाबा जी के जन्मोत्सव पर श्रद्धालु उनके प्रति अपनी आस्था व्यक्त करेंगे और उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करेंगे। ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक चेतना के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।

संतों की शिक्षाओं का वास्तविक महत्व तभी सामने आता है, जब उनके आदर्श हमारे व्यवहार में दिखाई दें। यदि हम अपने जीवन में सत्य, विनम्रता, करुणा, संयम और परोपकार को स्थान दें, तो धार्मिक आयोजनों की सार्थकता और अधिक बढ़ जाती है। बाबा जी का जन्मोत्सव इसी संकल्प को दोहराने का अवसर है कि जीवन को केवल निजी सुख-सुविधाओं तक सीमित न रखकर समाज के प्रति अपने दायित्वों को भी समझा जाए।

संतों के आदर्शों से ही समाज में आएगी सकारात्मक परिवर्तन की चेतना

वर्तमान समय में समाज को ऐसे विचारों की आवश्यकता है, जो लोगों को आपसी मतभेदों से ऊपर उठाकर प्रेम, सहयोग और सद्भाव के सूत्र में बांध सकें। संत-महापुरुषों की शिक्षाएं हमें यही संदेश देती हैं कि मानवता, दया और परस्पर सम्मान किसी भी स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। बाबा जयरामदास जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज में सेवा, सदाचार और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया जाना चाहिए। धार्मिक आस्था तभी सार्थक बनती है, जब वह व्यक्ति को बेहतर इंसान बनने और दूसरों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करे।

संत परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह मनुष्य को अपने भीतर झांकने और आत्मसुधार का अवसर देती है। बाबा जी की स्मृति भी श्रद्धालुओं को जीवन में सादगी, धैर्य और सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा देती है। उनके जन्मोत्सव पर समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

राम प्रकाश अग्रवाल ने अर्पित किए श्रद्धा-सुमन
हैदराबाद के राम प्रकाश अग्रवाल की ओर से सिद्ध परमहंस, सिद्ध शिरोमणि 1008 बाबा श्री जयरामदास जी महाराज के पावन जन्मोत्सव पर कोटि-कोटि नमन एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। उन्होंने बाबा जी की स्मृति को श्रद्धा और आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बताते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

राम प्रकाश अग्रवाल के विचारानुसार, संत-महापुरुषों का स्मरण तभी सार्थक है, जब उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में अच्छे संस्कारों, मानवीय संवेदनाओं और परोपकार की भावना का विस्तार किया जाए। धर्म का उद्देश्य व्यक्ति को सदाचार की राह पर चलाना, मन में करुणा जगाना और समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

उन्होंने बाबा जी के जन्मोत्सव पर मंगलकामना की कि उनके प्रति श्रद्धालुओं की आस्था निरंतर बनी रहे तथा समाज में सुख, शांति, समृद्धि और सद्भाव का विस्तार हो। बाबा श्री जयरामदास जी महाराज के जीवन से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज और मानवता के कल्याण में योगदान दे, यही इस पावन अवसर का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है।

सिद्ध शिरोमणि 1008 बाबा श्री जयरामदास जी महाराज के पावन जन्मोत्सव पर शत-शत नमन। उनकी स्मृति और आध्यात्मिक आदर्श सदैव समाज को सद्भाव, सदाचार और जनकल्याण के मार्ग पर प्रेरित करते रहें।



—राम प्रकाश अग्रवाल
हैदराबाद

सुख-समृद्धि के लिए

प्राचीन मान्यता अनुसार घर-परिवार में सुख-समृद्धि के लिए यदि आप चाहें तो निम्न उपाय कर सकते हैं—

- परिवार की महिला शुक्रवार को वैभव लक्ष्मी का व्रत करें और दान दें।
- रद्दी या बेकार कबाड़ शनिवार को बेचें।
- दक्षिणावर्ती शंख की स्थापना अपने पूजा घर में करें। यह लक्ष्मी का स्वरूप हैं। इससे लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं। घर में सुख समृद्धि का वास होता है।
- गुरुवार के दिन घर में पोछा ना लगाएं।
- संध्या के बाद कचरा बाहर ना फेंके। शाम होने से पहले सूखे कपड़े यदि खुली जगह में सूख रहे हों, तो उन्हें उठाकर समेट लें।
- बैंक की किताब, चैक बुक, धन आदि जिस अलमारी में रखें, उस अलमारी का मुंह उत्तर दिशा की ओर हो।
- अपने गृह मंदिर में पारदेश्वर शिवलिंग स्थापित करें।



यह सुख-समृद्धि लाता है।

- चींटियों को शक्कर मिलाकर आटा खिलाएं।
- संध्या होने से पूर्व घर में लक्ष्मीजी का दीपक जलाकर उनकी पूजा करें।
- घर से किसी भी शुभ काम के लिए निकलें तो थोड़ा सा दही खा लें। यह समृद्धिदायक माना जाता है।

- धन संबंधी कोई भी कार्य सोमवार और बुधवार को करें।
- घर में श्रीयंत्र, कुबेर यंत्र, एक मुखी रूद्राक्ष की स्थापना भी लक्ष्मी आगमन का द्योतक हैं।
- घर के मुख्य द्वार के ऊपर गणेश प्रतिमा लगाएं। प्रतिमा का मुख घर के अंदर की ओर हो।
- घर में तुलसी, काला धतूरा, सफेद आक, त्रीधारी थोर एवं केले का पौधा लगाना समृद्धिदायक माना जाता है।

घड़ियों को रखें सही जगह पर

हर व्यक्ति समय के साथ-साथ चले अन्यथा वह पीछे रह जाएगा, परन्तु यह वक्त सभी का साथ निभाए व उसे वक्त का पूरा लाभ मिले इसके लिए वास्तुशास्त्र में कुछ दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए।

इस लेख में दीवार घड़ी के वास्तु सम्पन्न प्रयोग एवं इसकी सही दिशाओं की चर्चा करेंगे। भारतीय वैदिक वास्तु के अंतर्गत ऐसे यंत्रों व उपकरणों को भवन के भीतर प्रयोग करने की सलाह दी जाती है जो सकारात्मक ध्वनि तरंगों का प्रसार करते हैं। जैसे हर घंटे पर ध्वनि उत्पन्न करने वाली पेंडुलम युक्त दीवार घड़ियां या पेंडुलम-टाइप वॉल-क्लॉक।

ये क्लॉक भी दिन भर में अनेकों बार अपनी आवाज से भवन के भीतर जीवन ऊर्जा का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका पेंडुलम जीवन की अविचल गति एवं उद्देश्य के प्रति अथक प्रयास का प्रतीक है। गतिशील जीवन एवं मधुर स्वर लहरों के मिले-जुले संयोग से भवन में सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि एवं विभिन्न वास्तुदोषों की नकारात्मक प्रवृत्ति पर नियंत्रण होता है। वॉल-क्लॉक या दीवार घड़ी को कभी भी भवन की किसी दक्षिण दिशा की दीवार पर या किसी दरवाजे के ऊपर प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन्हें पूर्व, पश्चिम या उत्तर की दीवार पर ऐसे प्रयोग करें कि काम करते-करते देखने में सुविधा हो।

कैलेंडर का प्रयोग भी पूर्व, उत्तर या फिर विकल्प के रूप में पश्चिम दिशा की दीवार पर करना श्रेयस्कृत है। समय सूचक उपकरणों व कैलेंडर आदि को दक्षिण दिशा की दीवार पर प्रयोग न करने के पीछे कुछ प्रमुख कारण हैं—

- वास्तु में सलाह दी जाती है कि सोते समय सिरहाना प्रमुखता से दक्षिण दिशा में रखा जाए। यदि क्लॉक भी दक्षिण दिशा की दीवार पर लगा होगा तो यह मुख के सामने न होकर सिर के पीछे स्थित होगा जिससे समय देखने में असुविधा होगी।
- सिरहाने के ज्यादा करीब होने से घड़ी या दीवार घड़ी की टिक-टिक की आवाज से सिर के पास बेवजह निद्रा में व्यवधान पैदा करेगी।
- आजकल प्रातः घड़ियां या क्लॉक चाबी वाली न होकर इलैक्ट्रॉनिक हैं जो न्यूनाधिक विद्युत चुंबकीय विकिरण पैदा करती हैं, अतः हमारे शरीर के सूक्ष्म तंतुओं या कोमल कोशिकाओं के लिए नुक्सानदायक सिद्ध हो सकती हैं।
- आधुनिक जीवनशैली के कारण भवन के भीतर बिजली के तारों का दीवारों व छत में प्रयोग, पंखें,

लाइटें, कूलर, म्यूजिक सिस्टम, टैलीविजन, मोबाइल फोन चाजर आदि से बच कर रहना मुश्किल-सा प्रतीत होता है। अतः विद्युत के आसपास रहने से प्रायः प्रत्येक भवन में जो इलैक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन पाया जाता है, वह स्वयं में कोई कल्याणकारी स्थिति नहीं है। इसलिए हमें अपने शयनकक्ष में इलैक्ट्रिक व इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों का यथासंभव कम से कम प्रयोग करना चाहिए। अतः घड़ी या वॉल क्लॉक को अपने शरीर, विशेषकर सिर या मस्तिष्क से जितना दूर रखें उतना ही बेहतर होगा।

- रही बात सोते समय सिर को पश्चिम या पूर्व दिशा में द्वितीय विकल्प के रूप में रखने की तो इन दोनों स्थितियों में भी सिरहाने के पास पीछे घड़ी का प्रयोग न करके थोड़ा दूर रखने में ही भलाई है।
- उपरोक्त के अतिरिक्त दक्षिण-दिशा में घड़ी का प्रयोग न करने के पार्श्व में दक्षिण दिशा का वास्तु प्रभाव भी आता है। अब जरा यह विचार करें कि हम जब भी सिर उठाते हैं, कोई काम शुरू करते हैं, किसी की प्रतिक्षा करते हैं या फिर कहीं जाने को तत्पर होते हैं तब सबसे पहले हमारा ध्यान समय की ओर जाता है और समय देखने के लिए प्रायः दीवार घड़ी या क्लॉक की ओर देखते हैं।

अब जरा सोचें कि जब हम हर कार्य का प्रारंभ करते समय दक्षिण दिशा की ओर देखेंगे तो हमें पूर्व एवं उत्तर दिशाओं की सकारात्मक ऊर्जा के स्थान पर दक्षिण दिशा की ऊर्जा का प्रभाव प्राप्त होगा और उस कार्य के परिणाम भी संभवतः हमारे हित में न हों। अतः प्रत्येक स्थिति में दक्षिण दिशा की दीवार पर घड़ी का प्रयोग करना हितकर न होगा।

- भवन के भीतर प्रयोग की जाने वाली सभी घड़ियां चलती हुई यानी वर्किंग कंडीशन में रहनी चाहिए व जैसे ही इनके सैल या बैटरी खराब हो जाएं व घड़ी रुक जाए तो यथा शीघ्र उनमें नई बैटरी या सैल डालकर इन्हें चालू कर देना चाहिए।

- घर में लगी या टंगी हुई कोई भी घड़ी खराब न रहे। खराब घड़ी को तुरन्त ठीक करवा लेना चाहिए या फिर इसे हटा देना चाहिए।
- कोई भी घड़ी वास्तविक समय से पीछे न चले बल्कि यदि हो सके तो नार्मल समय से एक-दो मिनट फास्ट चलनी चाहिए जिससे कभी विलम्ब न हो।
- घड़ी का शीशा कभी चटका हुआ या टूटा हुआ नहीं होना चाहिए।
- समय-समय पर घड़ी को झाड़ू-पोंछ करते रहना भी जरूरी है।





साइबर रिश्तों के इस युग में रोजमर्रा की जिंदगी में आमने-सामने के लोगों से रिश्ते जोड़ने की अहमियत कम हो गई है। हमेशा लोगों को शिकायत रहती है कि युवा पीढ़ी के लोग बहुत मनमानी करते हैं और किसी की सुनते नहीं। एक ताजा शोध के अनुसार इस बात की पुष्टि हो गई है। अब युवा पीढ़ी के लोग अधिक रूखे स्वभाव के हो गए हैं। वे किसी से घुलते-मिलते नहीं। मौजूदा समय में 18 से 34 वर्ष तक के लोग अपने पड़ोसियों से दुआ-सलाम कम ही करते हैं। साथ ही बुजुर्गों का भी स्वागत नहीं करते।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आयु वर्ग के लोग ना तो अब बिल्डिंग के लोगों को चाय की पेशकश करने में रुचि लेते हैं और न ही किसी त्योहार पर आए डाकियों को इनाम देना चाहते हैं। 23 फीसद लोग साझा बरामदे या गलियारे में कम रुचि लेते हैं जबकि 55 साल से अधिक की उम्र के लोगों के साथ ऐसा नहीं है। इस आयु समूह के 35 फीसद लोग अपने पड़ोसियों की अनदेखी करते हैं। जबकि 55 साल से अधिक आयु वर्ग में केवल 15 फीसद लोग ऐसा करते हैं। युवा वर्ग के 18 फीसद लोग किसी महिला या वृद्ध जन के लिए दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते हैं। वहीं 17 फीसद युवा सर्वाजनिक परिवहन में किसी गर्भवती महिला के लिए अपनी सीट नहीं छोड़ना चाहते। जबकि 12 फीसद लोग किसी वृद्ध को अपनी सीट नहीं देना चाहते। 55 साल से अधिक आयु के 83 फीसद लोगों ने कहा कि वह अपने बिल्डर को कॉफी या चाय की पेशकश जरूर करते हैं। लेकिन 50 फीसद युवा पीढ़ी ऐसा नहीं करती। यह सर्वेक्षण यूगाव सर्वे ने एक हजार वयस्कों पर किया है।



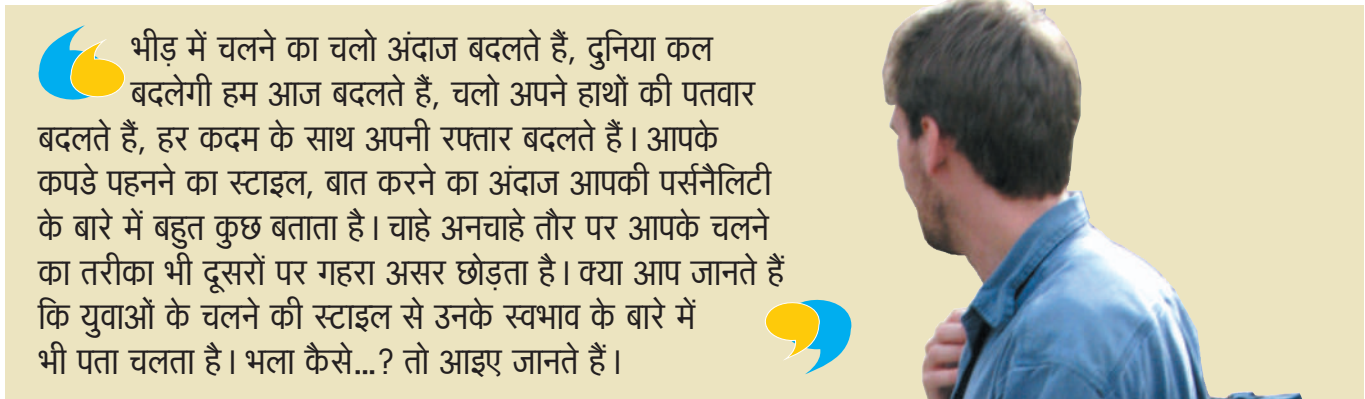
नीले रंग की जींस के लिए हम पेरुवासियों को धन्यवाद दे सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पेरू के उत्तरी तट पर हुआका प्रीटा में खुदाई के दौरान 6,200 साल पुराना कपड़ा पाया गया, जिस पर नीले रंग को खई के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसे सबसे पहली जींस माना गया है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से पता चलता है कि जटिल वस्त्र तकनीक का विकास प्राचीन रेडियन लोगों ने किया था। हुआका प्रीटा कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला कपास गॉसपियम बारबाडेंसी, आज उगाई वाले मिस्र के कपास की जाति का ही है। हमारे पास अच्छी नीली जींस नहीं होती यदि दक्षिण अमेरिकी नहीं होते।



यौवन में दस्तक देती हर लड़की का सपना होता है कि उसकी शादी धूम धाम से हो, लेकिन एक जगह ऐसी भी है जहां लड़कियों के लिए शादी करना बेहद मुश्किल काम है। ब्राजील के नोव्वा दो कोरडेरो कस्बे में 20 से 35 साल की महिलाएं आज भी अपने लिए वर की तलाश में जुटी हुई हैं। इस कस्बे में हजारों लड़कियां शादी करने के लिए तरस रही हैं। इस कस्बे में बेहद खूबसूरत लड़कियां रहती हैं, लेकिन यहां की लड़कियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यहां कुंवारे लड़कों की कमी है। कस्बे में रहने वाली लड़कियां प्यार और शादी का सपना संजोती हैं लेकिन सिर्फ शादी के लिए कस्बा नहीं छोड़ना चाहती। वे चाहती हैं कि दूसरे गांवों के लोग उनके साथ रहे उनकी कस्बे में आकर रहें। साथ ही पहाड़ियों के बीच बसे इस कस्बे में बहुत ही कम शादीशुदा मर्द हैं और जो कुंवारे लड़के हैं वे अभी बहुत छुट्टी उम्र के हैं।



अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जब युवा दूसरे शहरों के अच्छे कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, तो जाहिर सी बात है कि फन और मस्ती में ही उनकी सारी पॉकेटमनी खर्च हो जाती होगी, क्योंकि व तो वह सेविंग्स के बारे में जानते हैं और न ही बजट कंट्रोल में रखना जानते हैं। बचत करने का पहला नियम है कि आप बजट बनाएं, बजट बनाते समय वर्क शीट पर दो सेक्शन बनाएं, जिसमें जरूरी और गैर जरूरी खर्च के बारे में लिखें। सबसे पहले वे काम करें जो जरूरी हैं, सिर्फ दूसरों को दिखाने के चक्कर में की जाने वाली फ्रिजूल खर्ची से बचें। अक्सर आपका वीकेंड घर में बेड पर आराम फरमाते, टीवी देखते और पिज्जा खाने में निकल जाता है। ऐसे में अच्छा होगा वीकेंड पर आप कोई पार्ट टाइम जॉब शुरू करें। इससे आप अपनी पॉकेट मनी भी जुटा पाएंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एर सेमेस्टर के शुरू होने पर आप चाहें तो रेंटल बुक्स ले कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यदि आप रोजाना जाने वाले स्टूडेंट्स में शामिल हो तो लाइब्रेरी से बेहतर कोई और ऑप्शन नहीं हो सकता। कॉलेज जाना हो या फिर दोस्तों के साथ मस्ती करनी हो, हमेशा कोशिश करें कि आने-जाने के लिए पब्लिक ट्रीकल का इस्तेमाल किया जाए, इससे आपका काफी पैसा बचेगा।



भीड़ में चलने का चलो अंदाज बदलते हैं, दुनिया कल बदलेगी हम आज बदलते हैं, चलो अपने हाथों की पतवार बदलते हैं, हर कदम के साथ अपनी रफ्तार बदलते हैं। आपके कपड़े पहनने का स्टाइल, बात करने का अंदाज आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। चाहे अनचाहे तौर पर आपके चलने का तरीका भी दूसरों पर गहरा असर छोड़ता है। क्या आप जानते हैं कि युवाओं के चलने की स्टाइल से उनके स्वभाव के बारे में भी पता चलता है। भला कैसे...? तो आइए जानते हैं।

व्यक्ति का मूड उसकी चाल को काफी प्रभावित करता है। चलने के अंदाज से किसी व्यक्ति के मूड के बारे में भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। एक शोध के मुताबिक, जो लोग अवसाद से ग्रसित होते हैं, चलते समय उनकी हाथों की गतिविधियां कम होती हैं और उनके कंधे आगे की ओर झुके होते हैं। वहीं जो लोग अच्छे मूड में होते हैं, चलते समय उनके हाथों की गतिविधियां ज्यादा होती हैं। क्वींस यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि हमारा मूड हमारी चाल को प्रभावित करता है। किसी पल हम कैसा महसूस कर रहे हैं, इससे हमारी चाल बहुत प्रभावित होती है। हर किसी की चाल कुछ न कुछ कहती है और चलने का तरीका बताता है कि आप किस स्वभाव के हैं।

अंदाजा लगाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के व्यवितत्व की विशिष्टता का पता लगाने के लिए बिग फाइव नाम का एक टेस्ट भी लिया। टेस्ट और फॉर्म के जरिए उन्होंने पता लगाया कि लोग क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। शोधकर्ताओं ने मनुष्यों के वक्ष और कूल्हे की गति और उनके चाल की गति का पता लगाया। शोधकर्ता कहते हैं कि रिसर्च से यह बात कंफर्म होती है कि लोगों के चलने के तरीके से उनके व्यवितत्व के बारे में पता चलता है।

छोटे-छोटे कदम

जो पुरुष छोटे-छोटे कदम रखकर धीरे चलते हैं वो छोटी सी बातों में ही परेशान हो जाते हैं। उनका जीवन थोड़ा परेशानी भरा होता है। यानी ऐसे लोग आपका उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकते। ये कमजोर साबित होते हैं।

कंधे आगे की ओर

जो कंधे आगे की ओर झुकाकर चलते हैं वे थोड़े आलसी होते हैं लेकिन जरूरत पड़ने पर मेहनत करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें कोई भी काम दिया जाए उसे करने में आलस महसूस करते हैं और कोई भी निर्णय लेने में बहुत बार सोचते हैं।

तेज चाल

जिन युवाओं की चाल तेज होती है वे बड़े उत्साही और हमेशा आगे बढ़ने वाले स्वभाव के होते हैं। इनका शरीर फिट और आकर्षक होता है। ऐसे लोग दूसरों को भी उत्साही बनाते हैं और जीवन में काफी आगे जाते हैं। जो लोग पैरों के साथ हाथों का हिलाकर चलते हैं वे बहुत चतुर और जिंदादिल होते हैं। ऐसे लोग जोशीले और उत्साहित होने के साथ उमंग से भरे होते हैं।

ऐसे बनाएं आकर्षक बॉडी....

एक जमाना था जब आदमी दो पैक एक्स बनाकर ही मोहल्ले में शान से चला करता था, लेकिन आज के जमाने में दो पैक एक्स नहीं बल्कि सिक्स पैक एक्स चलते हैं। फिल्मां और टीवी से लेकर गली के जिम तक हर कोई सिक्स पैक एक्स बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यदि आपको भी सिक्स पैक बनाने की चाहत है तो हम आपको बता दें कि इसको बनाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर आप कुछ बातों पर ध्यान दें तो सिक्स पैक एक्स बना सकते हैं। सिक्स पैक एक्स बनाने के लिए आपको अपने वर्कआउट के साथ साथ अपनी डाइट पर भी ख़ास ध्यान देना होगा। इसमें सब से पहला कार्य होता है अपने भोजन पर नियंत्रण रखना। यदि आप दिन में दो या तीन बार भरपेट खाना खाते हैं तो आपको तीन के बजाय पांच से छह बार खाना होगा। मतलब आप कम-कम मात्रा में 2-3 बार के बजाय 6 बार खाना खाएंगे। इसका कारण यह है कि एक ही बार भरपेट खाने से पेट की मांसपेशियों पर बहुत अधिक बल पड़ता है जिससे मोटापा बढ़ जाता है। बड़ेल हो जाता है। आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना होगा। इससे शरीर में ताकत आएगी और मांसपेशियां मजबूत होंगी। पने आहार में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक लें। शुगर युक्त चीजें, अधिक कैलोरी वाले फूड और एल्कोहल का सेवन करने से बचें। मक्खन, चीज जैसी चीजों का सेवन न ही करें तो बेहतर होगा। आपको साथ ही ऑयली फूड से दूर रहें। आप कम मात्रा में पीनट बटर का सेवन भी कर सकते हैं। अंत में पानी पीने की मात्रा का भी

ध्यान रखें। पानी दिन में कम से कम 8 गिलास या इससे अधिक पीएं।

चेस्ट के लिए

चेस्ट को शेप देने के लिए प्लैट डंबल प्रेस सबसे बेहतर एक्सरसाइज है। यह प्लैट बेंच से इसलिए बेहतर है क्योंकि उसमें आपके हाथ एक सीमा से नीचे नहीं आते। बेंच करते वक रॉड जैसे ही आपको चेस्ट से टच होती है आप उसे ऊपर की ओर धकेल देते हैं। वहीं डंबल प्रेस के मामले में आपकी चेस्ट पर कुछ आने जैसी बात ही नहीं होती। जितना आप डंबल को नीचे ले जाएंगे उतना प्रेशर आपकी चेस्ट पर बनेगा।

पावर के लिए

ओवरऑल मसल बिल्डिंग और पावर के लिए बॉडी बिल्डरों की सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है स्क्वेट। जो लोग इसे नहीं करते उन्हें लगता है कि यह सिर्फ पैरों की कसरत है पर जो लोग करते हैं वो जानते हैं कि ये कसरत मर्द बनाती है। यह एक्सरसाइज ग्रोथ हार्मोन को जबरदस्त तरीके से एक्टिवेट करती है। एक हैवी सेट लगा कर देखें, दिमाग की बत्ती जल जाएगी। एक और सबूत चाहिए तो हैवी स्क्वेट लगाने के बाद बेंच प्रेस लगाएं आप नॉर्मल से ज्यादा वेट लगा पाएंगे।



आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती है प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

लोरी ही जरूरी नहीं: लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा

पैरों को दबाव देना

जमीन पर पैरों को दबाव देकर जो लोग चलते हैं वो हिम्मती और जिद्दी स्वभाव के होते हैं और अपनी बातों पर अडिग रहने वाले होते हैं।

लंबे-लंबे कदम

जो लोग लंबे-लंबे कदम रखकर चलते हैं, वे आत्मविश्वासी और बेहद साहसी होते हैं। इनमें हमेशा प्रतियोगिता की भावना होती है। इस

धीमी गति से चलना

जो लोग धीमी गति से चलते हैं या पैरों को घसीटकर चलते हैं, वो सहमे हुए और दुखी स्वभाव के होते हैं। ये लोग तनावग्रस्त होते हैं।



बाइसेप्स के लिए

कसरतों की लंबी लिस्ट है और आप उन्हें आजमाते भी होंगे, पर बारबेल वर्ल से बेहतर कुछ नहीं। जैसे स्क्वेट पैरों की एक मुकम्मल कसरत है वैसे ही बारबेल वर्ल बाइसेप्स की मुकम्मल एक्सरसाइज है। एक बात और आप अगर शुरुआती दौर में नहीं है तो बड़ी रॉड से कर्ल करें।



तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे: लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का

फर्स्ट इंप्रेशन...



सभी चाहते हैं कि किसी से पहली बार मिलने पर ऐसी छाप छोड़े कि उसके मन-मस्तिष्क में उम्र भर के लिए अच्छी राय बन जाए, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह तकनीक ही नहीं आती कि पहली ही मुलाकात में कैसे किसी को हमेशा के लिए अपना प्रशंसक बनाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कैसे जमाए फर्स्ट इंप्रेशन।

स्टाइल सुधारें

पहली मुलाकात में ध्यान रखें कि सामने वाले पर आपकी बातचीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसे भांपकर अपनी शैली सुधारें। अपना ध्यान उस व्यक्ति पर केंद्रित करें, आंखों से आंखें मिलाकर बात करें। चाहे सामने कोई उच्च पदस्थ व्यक्ति हो, नर्वस होकर, इधर-उधर देखते हुए बातचीत न करें। यदि आपको लगता है कि सामने वाला बोर कर रहा है तो भी पहली बार उसकी बात ध्यान से सुनें।

हाथ मिलाने का सलीका



किसी से भी हाथ मिलाते समय ध्यान रखें कि हाथ को न तो ढीला छोड़कर मिलाया जाए और न बिल्कुल सख्त तरीके से। हाथ मिलाते समय आपके चेहरे पर खुशी और अपनापन झलके। किसी स्त्री से हाथ मिलाते समय आपके व्यवहार में शालीनता नहीं होगी तो मुश्किल में भी पड़ सकते हैं।

आत्मविश्वास जरूरी

कई बार लोग अपने सामने किसी उच्च व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देख कर हड़बड़ा जाते हैं और ऐसी हरकतें कर बैठते हैं कि सामने वाले पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपकी पहली मुलाकात किसी लड़की से हो रही है तो अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को संयत रखें। ऐसी लड़की बेशक आपकी भावी मंगेतर या रिश्तेदार हो, लेकिन अपने व्यवहार को संयत रखें, हावी होने की कोशिश न करें।

खूबसूरती का प्रदर्शन

कुछ लोग खूबसूरती का अनावश्यक प्रदर्शन करती हैं। सभी लोग सौंदर्य पर रीझने वाले नहीं होते। भले ही यह बातचीत शादी तय करने के लिए हो रही हो, याद रखें कि आपका चेहरा आपके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा है, वह तभी किसी को आकर्षित करता है, जबकि आपकी भाषा, बातचीत का अंदाज और भाव-भंगिमा शालीनतापूर्ण हो। हर किसी में अलग-अलग गुण होते हैं, उन्हें सराहें। मधुर वाणी जहां दिलों पर राज करा सकती है, वहीं कर्कश भातें चोट पहुंचाती हैं। इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता रखें। यही एक बात है जो याद रह जाती है।

सहज रहें

किसी के साथ पहली मुलाकात में सामने वाले को यह महसूस हो कि उससे मिलने पर आपको खुशी हुई। शादी-विवाह तय करते समय भी ध्यान रखें कि आपको नापसंदगी दूसरे पर एकदम से जाहिर न हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पहली मुलाकात में कोई पसंद नहीं आता, बाद में वही जीवनसाथी, बॉस या अन्य किसी रिश्ते के तहत हमारे सामने आ जाता है। पहली मुलाकात में अपना समूचा ज्ञान या दर्शन भी सामने वाले के सामने प्रस्तुत न कर दें। सहज रहें, भले ही सामने वाले की बातों से आप सहमत न हों, लेकिन इसे पहली ही बार में न जाहिर करें।



ट्राइसेप्स

आपके आर्म में 30 फीसदी हिस्सेदारी बाइसेप्स और 70 फीसदी ट्राइसेप्स की होती है। अगर आपको बड़े आर्म्स चाहिए तो बाइसेप्स की बजाय ट्राइसेप्स पर ज्यादा ध्यान दें। आपके ट्राइसेप्स के भी तीन हिस्से होते हैं और बेंच डिप्स ऐसी एक्सरसाइज है तो तीनों हिस्सों पर काम करती है। इसे आप बॉडी वेट के साथ और एक्सटा वेट के साथ भी कर सकते हैं।

हिंदी में है भारतीय भाषाओं की सुगंध : डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 24 अक्टूबर
(शुभ लाभ व्यूरो)।

सीएसआईआर भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में दि. 23 अक्टूबर 2026 को हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस. बी. बारबुदे, निदेशक, आईसीएआर – राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्थान के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी जी ने कहा कि हिंदी चंदन के समान है जिसमें सभी भारतीय भाषाओं के सुगंध हैं। संविधान सभा के द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया जाना, भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान है। यह राजभाषा हिंदी को प्रशासन, जनसेवा और राष्ट्रीय संवाद का माध्यम बनाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी श्री पि. श्याम सुंदर जी ने कहा कि हिंदी में काम करना केवल हिंदी अनुभाग की जिम्मेदारी नहीं है। हम सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दायित्व है कि हम अधिक से अधिक काम हिंदी में करें।



मुझे यह बताते हुए खुशी हो है कि संसदीय राजभाषा समिति राजभाषा हिंदी के उच्च कार्यान्वयन के लिए आईआईसी की सराहना की है। यह एक प्रसंग है हिंदी के कामकाज के झूलि टेस्ट में आईआईसीटी का होना है।



मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि संसदीय राजभाषा समिति ने राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए आईआईसीटी की सराहना की है। यह एक प्रकार से हिंदी के कामकाज के इलिटमस स्टेज में आईआईसीटी का पास होना है।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस. बी. बारबुद्धे जी ने कहा कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में प्रयोग करते हैं। वह प्रयोग तब तक सफल नहीं होगा, जब तक उक्त अनुसंधान जनसाधारण के उपयोग में नहीं आता है। प्रयोग को जनसाधारण के उपयोग के लिए हिंदी सहित अन्य

भारतीय भाषाओं में विज्ञान को लाना होगा। इसके लिए विज्ञान की शब्दावली को हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में करने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिंदी के कई सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं जिनकी सहायता से आसानी से हिंदी में

काम किया जा सकता है। आईआईटी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यहां तेलुगु, तमिल, मलयालम, मराठी, कन्नडा, उड़िया, असमिया, बांग्ला आदि अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी, शोधार्थी हिंदी की गतिविधियों में भाग ले रहे हैं यह सुखकर है।

संस्थान में हिंदी पखवाड़ा के दौरान निबंध, लघु फिल्म निर्माण, अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से, टंकण, चित्र एक कथा अनेक सहित चौदह प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निदेशक एवं मुख्य अतिथि के कर-कमलों से इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही मौलिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग करनेवाले कर्मचारियों, अधिकारियों एवं हिंदी में सबसे अधिक डिक्शनरी देने वाले अधिकारियों को भी पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बह-चढ़कर हिस्सा लिया कार्यक्रम-संचालन हिंदी अधिकारी, डॉ. सोरभ कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन हिंदी अनुवादक श्री आदर्श कुमार के द्वारा किया गया।



जन्म जयंती पर भोजन प्रसादी का आयोजन



सनतनगर में एमएलसी फॉर्म
जोर-शोर से भरे गए। इस
अवसर पर मुख्य अतिथि
अध्यक्ष सुब्रमण्यम, उपाध्यक्ष
वीनू गोपाल, सचिव श्रीधर,
एमएलसी इंचार्ज महेश,
कांति, लक्ष्मी नारायण,
डिवीजन अध्यक्ष चंद्रशेखर,
रचना, सुनीता, भाजपा की
वरिष्ठ नेता सपना गुप्ता, वरिष्ठ
नेता शिवा सहित अन्य लोग
उपस्थित रहे।



निरजा पंडित का भक्ति गायन श्रद्धालुओं को सस्तरंग में भाग लेने और भक्ति तथा आध्यात्मिक चिन्तन के माहौल का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शून्य जी महाराज और गुप्ता की आध्यात्मिक परंपरा तथा शिक्षाओं से जुड़ा हुआ है। उनका आध्यात्मिक दर्शन आत्म-जागरूकता, ध्यान, गुरु के प्रति समर्पण, भय और चिन्ताओं पर विजय पाने और ज्ञान, प्रेम व आध्यात्मिक जागृति के मार्ग पर चलने पर जोर देता है। सत्संगों, ध्यान कार्यक्रमों और आध्यात्मिक शिक्षाओं के माध्यम से यह आंदोलन समाज में आंतरिक परिवर्तन, करुणा, नैतिक जीवन और सद्भाव को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। हरियाणा के पंचकुला क्षेत्र में स्थित मानवता मंदिर आश्रम इन आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है।

हैदराबाद। राधे-राधे गुरुप
हैदराबाद के तत्वावधान में
शनिवार को बेगम बाजार स्थित
भू देवी माता मंदिर के पास
गोशाला के सामने निर्गम
अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन
किया गया। इस अवसर पर सेवा,
समर्पण और मानवता के प्रति
संवेदनशीलता का संदेश दिया
गया। गुरुप के सद्योप
जरूरतमंदों की सेवा के माध्यम
से समाज में परोपकार, सहयोग
और सद्भावना की भावना को
मजबूत करने का संकल्प व्यक्त
किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि सच्ची ईश्वर आराधना है। जब कोई व्यक्ति निस्वार्थ भाव से जरूरतमंद की सहायता करता है, तो वह मान्यता के सबसे पवित्र धर्म का पालन करता है। उन्होंने कहा कि



मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ-साथ जरूरतमंदों की सेवा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि मानवता की सेवा में ही ईश्वर का वास्तविक स्वरूप दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यो की आवश्यकता है जो लोगों के भीतर संवेदना, करुणा और परोपकार की भावना जगृत करें। किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना, असहाय व्यक्ति का सहारा बनना और

दूसरों के दुख-दर्द को समझना ही संस्कारों की वास्तविक पहचान है। सेवा का मूल्य उसका मात्रा से नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी भावना और निस्वार्थ समर्पण से तय होता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

पन्नालाल अग्रवाल ने राधे-
राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा

गतिविधियों की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि सेवा का उद्देश्य किसी प्रकार का प्रचार या प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि ज़रूतमंदों तक सहायता पहुंचाना और समाज में मानवीय मूल्यों को जीवित रखना है। सेवा के माध्यम से लोगों को जोड़ना, परस्पर सहयोग बढ़ाना और प्रत्येक व्यक्ति को भी मानवता के प्रति सम्मान पैदा करना ही ऐसे अभियानों की सार्थकता है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं राजेश सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने और समाज में परीष्कार, सद्भावना तथा मानवता के संस्कारों को प्रोत्साहित करने की भावना व्यक्त की।

पन्नालाल अग्रवाल का संदेश

भूखे को भोजन कराना ही सच्ची ईश्वर आराधना

श्री श्रीपाद श्रीवल्लभ दिवाली विशेषांक
2026 का प्रकाशन समारोह 1 नवंबर को

हैदराबाद, 24 अक्टूबर
(शुभ लाभ व्यूरो)।

श्रीगुरुकृपांकित पत्रभट्ट (सद्गुरु श्री विष्णुदास महाराज सेवा फाउंडेशन अंतर्गत) द्वारा प्रकाशित मश्री श्रीपाद श्रीवल्लभ दिवाली विशेषांकफ का प्रकाशन समारोह आगामी 1 नवम्बर को मोतियों के शहर हैदराबाद (भाय्यनगर) में सायं 5 से 7 बजे तक बड़े भक्ति भाव से आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र सहित देशभर से अध्यात्म क्षेत्र के विद्वान व धर्मानुरागी भाग लेंगे।

में उपस्थित रहें कार्यक्रम में परिवार के साथ



साथ ही प. पू. श्री श्याम
गोविन्द वैजापुरकर (पुणे), प.
पू. श्रीधर स्वामी महाराज
(वरदपूर, सागर, कर्नाटक),
भक्त, डॉ. गीता सुरेश काटे (पूर्व
प्राध्यापिका, उस्मानिया
विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष,
महाराष्ट्र मंडल, हैदराबाद) और
सुरेश दात्राय कुलकर्णी (पूर्व
प्राचार्य, श्री महाविद्यालय,
हैदराबाद) मानद अतिथि के रूप

में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में अजेय देशमुख , श्रीगुरुमंदिर नागपुर परिवार के साथ दिवाली अंक संपादिका श्रीमती कौमुदी गोडबोले और पत्रभेंट की मुख्य संपादिका श्रीमती प्रज्ञा फडणीस भी भाग लेंगी।

कार्यक्रम के पश्चात सायं 7 से 8.30 बजे तक सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी दत्त भक्तों से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। अधिक जानकारी के लिए महेश देशपांडे, निखिल सुगंलीकर अथवा दीपक कुलकर्णी से संपर्क किया जा सकता है।



हैदराबाद, 24 अक्टूबर (शुभ
लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पुराने
शहर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और
जननेता के रूप में लोकप्रिय एस.
पांडुरंगा राव की 25वीं पुण्यतिथि
के अवसर पर रेनोवा फाउंडेशन
गर्ल्स अनाथ आश्रम, राजन्ना
बाउली, फलकनुमा, हैदराबाद में

आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व पीसीसी (प्रदेश कांग्रेस कमेटी) अध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग (बीसी) मामले व विकास के लिए राज्य सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव द्वारा उनके चित्र पर भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की गई।



प्रदर्शनी मैदान स्थित
हीरसूरीवाटिका में धर्मतीर्थ रक्षक
एवं क्रांतिकारी प्रवचनकार परम
पूज्य जैनाचार्य श्री विमलसागर-
सूरीश्वरजी म.सा. तथा परम पूज्य
पद्मविमलसागर म.सा. से
आशीर्वाद प्राप्त करते हुए भाजपा
तैलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के
अध्यक्ष सिंह, जगमोहन सिंह,
सत्याल सिंह, मिडीशा संयोजक
मुकेश चौहान, अशोक सेन एवं
रिद्धिेश जागीरदार।

पब्लिक गार्डन्स पर संकट हरियाली बचाने की गुहार

है दराबाद,
24 अक्टूबर
(शुभ लाभ
ब्यूरो)। ऐसे
समय में जब
सरकार हरे-भरे
स्थानों (ग्रीन
स्पेस) की रक्षा
के लिए प्रयास
कर रही है,
ऐतिहासिक



पब्लिक गार्डरूम, नामपल्ली के केंद्रीय लॉन (सेंट्रल लॉन) को पहुँच रहा नुकसान गंभीर पर्यावरणीय चिंताएँ पैदा करता है। लॉन के ऊपर से वाहनों की आवाजाही इसकी हरियाली, मिट्टी के स्वास्थ्य और पारिस्थितिक मूल्य (इकोलॉजिकल वैल्यू) को खतरों में डाल रही है। चौकाने वाली बात यह है कि इस बहुमूल्य सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले वाहनों को रोकने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आ रहा है।

पर्यावरण एवं विरासत कार्यकर्ता (एन्वायर्नमेंट एंड हेरिटेज एक्टिविस्ट) मोहम्मद आबिद अली ने सवाल उठाया, ब्रह्मजब सरकार हरे-भरे क्षेत्रों को बचाने की कोशिश कर रही है, तो पब्लिक गार्डन-सदृश इस मुख्य ममीन लॉफ (फेफड़ें/हरियाली) की सुरक्षा कौन कर रहा है? अधिकारियों को मजबूत बोलाई (सुरक्षा खंभे) और बैरिकेड्स लगाने चाहिए, नियंत्रित प्रवेश द्वारों के माध्यम से वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करना चाहिए, सुरक्षकर्मियों को तैनात करना चाहिए, चेतावनी बोर्ड लगाने चाहिए, उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना लगाना चाहिए और सीसीटीवी (उड्डन) कैमरे स्थापित करने चाहिए। क्षतिग्रस्त लॉन को तुरंत पुनर्स्थापित किया जाना चाहिए और आगे के विनाश को रोकने के लिए नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए। इस ऐतिहासिक उद्यान की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई, जवाबदेही और निरंतर सतर्कता की आवश्यकता है।

ग्रीन स्किल्स एक्सीलेंस सेंटर हैदराबाद में एआई क्रांति



हैदराबाद, 24 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय, 1एम1बी फाउंडेशन (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) ने मेटा स्टार्टअप हब (और माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी में आज सैस आईटॉवर, हैदराबाद में मग्रीन स्किल्स एंड एप्लाइड एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंसफ (सीआईईका उद्घाटन किया। एक समर्पित एआई ÷ ग्रीन फार्मा ट्रैक के साथ, यह केंद्र प्रौद्योगिकी और विज्ञान स्नातकों को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करेगा और उन्हें फार्मास्यूटिकल निर्माण, लाइफ साइंसेज और हरित अर्थव्यवस्था (ग्रीन इकोनॉमी) में उभरते करियर के अवसरों से जोड़ेगा।

इस केंद्र का उद्घाटन श्री डी. श्रीधर बाबू, माननीय सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी कार्य मंत्री, तेलंगाना सरकार; राजीव कुमार, प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर; मानव सुबोध,

संस्थापक और मुख्य संरक्षक, 1एम1बी (वन मिलियन फॉर वन बिलियन); श्री सर्वेश सिंह, सीईओ, तेलंगाना लाइफ साइंसेज; श्री साई कृष्णा, आईटी सलाहकार, तेलंगाना सरकार तथा अन्य सरकारी एवं उद्योग नेताओं के साथ तेलंगाना के युवा चेंजमेकर्स की उपस्थिति में किया गया।

तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी कार्य मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा, इक्विजेशन जेड एआई और हरित नवाचार (ग्रीन इनोवेशन) की अगली लहर को संचालित करेगा।

जैसे-जैसे युवा कोडिंग करते हैं, व्यवसाय स्थापित करते हैं और एआई की संभावनाओं को तलाशते हैं, मैं उनसे आग्रह करता हूँ कि वे अपने कौशल का उपयोग केवल सफल उद्यम बनाने के लिए ही न करें, बल्कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भी करें। कुछ दशक पहले,

हममें से कई लोगों के लिए पीने के पानी तक पहुँच शायद ही कभी दैनिक चिंता का विषय होती थी।

आज, पीने का पानी खरीदना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। हम आने वाली पीढ़ियों को क्या गारंटी दे सकते हैं कि उनके पास प्राकृतिक संसाधनों की समान गुणवत्ता और उपलब्धता होगी? आपको वे समाधान अभी तैयार करने होंगे।

1एम1बी फाउंडेशन के संस्थापक और मुख्य संरक्षक मानव सुबोध ने कहा, कार्य का भविष्य (फ्यूचर ऑफ वर्क) तेजी से एआई, स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) और उद्योग के अभिसरण (कनवर्जेंस) से आकार लेगा। हमारा ध्यान युवाओं को केवल इन प्रौद्योगिकियों को समझने के लिए ही नहीं, बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया के माहौल में लागू करने और उभरते क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए तैयार करने पर है।

एसआईआर रद्द करने की मांग को लेकर टैंक बंड पर 2,000 से अधिक लोगों की मानव शृंखला

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और सीईसी अधिनियम-2023 निरस्त करने की मांग

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रद्द करने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और चुनाव आयुक्तों को आजीवन कानूनी संरक्षण देने वाले सीईसी अधिनियम, 2023 को निरस्त करने की मांग को लेकर शनिवार को टैंक बंड पर मानव शृंखला बनाई गई। इसमें 2,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मतदाता सूची से हटाए गए सभी मतदाताओं के नाम तत्काल बहाल किए जाएं। इस मानव शृंखला का संयुक्त आयोजन विभिन्न नागरिक समाज संगठनों, मानवाधिकार संगठनों, किसान संगठनों, दलित संगठनों, युवा संगठनों और छात्र संगठनों ने किया।

तिरंगा लहराते हुए प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करने की प्रक्रिया समाप्त करने तथा मतदान के

संवैधानिक अधिकार की रक्षा करने की मांग की।

प्रतिभागियों ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा सरकार के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले एक वर्ष में अन्य दो चुनाव आयुक्तों की ओर से दर्ज कराई गई 14 औपचारिक आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया, जिससे उनकी भूमिका पर सवाल उठते हैं।

प्रदर्शनकारियों के अनुसार, देशभर में 13.4 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर मतदाताओं के सत्यापन का अभियान नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया बन गया है।

इस प्रदर्शन में प्रो. हर्गोपाल, प्रो. शांता सिन्हा, एमएलसी प्रो. कोडंडराम, वसंता लक्ष्मी, तेलंगाना शिक्षा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अकुनूरी मुरली, प्रो. पद्मा शॉ,

कल्पना कन्नबिरन, रुबीना नफीस, रवि कसेगंटी, सौम्या किदांबी, सजया काकरला, झांसी, संध्या, सिस्टर लिसी, किरण विस्सा, मारिया तबस्सुम, पी. शंकर, सुनीता ए., मैरी डायस, वेंकट रेड्डी, खालिदा परवीन सहित कई छात्र नेताओं ने भाग लिया।

इस विरोध प्रदर्शन का समन्वय विभिन्न संगठनों ने किया। इनमें टीवीआरएफ, टीपीएफ, एनएपीएम, आरएसवी, एआईपीएम, एपीसीआर, डब्ल्यूटीजेएसी, बीजेए, अलिफा, टीडीडब्ल्यूयू, एचअ-एरएफ, टीपीजेएसी और एमपीजे शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, छात्र संगठनों बीएअ-रसी, एआईएसएफ, एसएफआई, एआईएसए, एआईटीएसओ, एसएफ, पीडीएसयू, एनएसयूआई, एमएसएफ, एए-नएसए-एमएनयूयू और एआईओबीसीएसए ने भी प्रदर्शन में भाग लिया।

सड़क निर्माण के दौरान जिलेटिन विस्फोट, सात लोगों की मौत

पहाड़ी काटने के लिए लाए गए विस्फोटकों में समय से पहले हुआ धमाका, मृतकों में शिक्षिका भी शामिल

विशाखापत्तनम, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के अनंतगिरि मंडल में सड़क निर्माण कार्य के दौरान जिलेटिन की छड़ों में हुए विस्फोट में सात लोगों की मौत हो गई। यह घटना शनिवार को पिनाकोटा पंचायत के पीचुमामिडी गांव के पास हुई।

पुलिस के अनुसार, सड़क निर्माण के लिए पहाड़ी को काटने के उद्देश्य से विस्फोटक सामग्री लाई गई थी। हालांकि, निर्धारित कार्यवाही से पहले ही विस्फोट हो गया, जिससे सात लोगों की जान चली गई।

मृतकों की पहचान विशाखापत्तनम जिले के एक मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय (एमपीपी स्कूल) में शिक्षिका के रूप में कार्यरत 44 वर्षीय जगारापु सुनीता, अनकापल्ली जिले के देवरापल्ली निवासी 23 वर्षीय मन्थाला मणिकान्त, कडपा जिले के मल्लेपल्ली गांव निवासी 27 वर्षीय आदिबोयिना गुरु पवन, पेदाबय्यालू निवासी पांगी चिरंजीवी, बिहार के औरंगाबाद निवासी जेसीबी ऑपरेटर टिंकू चंद्र वंशी सिंह, असम निवासी नजीर और अनकापल्ली जिले के चिडिकाडा मंडल के सूर्यनारायणपुरम गांव निवासी मंडला नारायण राव के रूप में हुई है।



बताया गया कि शिक्षिका सुनीता विस्फोट के समय अपने विद्यालय जा रही थीं। उनकी मौत से स्थानीय समुदाय में शोक की लहर है। उन्हें एक समर्पित शिक्षिका के रूप में याद किया जा रहा है।

अनंतगिरि के पूर्व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) जिला परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) सदस्य दीसारी गंगाराजू ने राज्य सरकार से मृतकों के परिवारों को व्यापक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने विस्फोट के कारणों और घटना की परिस्थितियों की विस्तृत जांच कराने की भी मांग उठाई।

जिला कलेक्टर टी. निशांति ने सात लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। घटना

को दुःख बताते हुए उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

कलेक्टर ने घोषणा की कि ठेकेदार की ओर से प्रत्येक प्रभावित परिवार को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन इस कठिन समय में शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ा रहेगा और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगा।

इस घटना के बाद सड़क निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में विस्फोटक सामग्री के सुरक्षित भंडारण, परिवहन और इस्तेमाल की निगरानी सख्त करने की मांग उठने लगी है।



आगामी 11 दिसंबर को भायनगर में आयोजित होने वाले गौ सम्मान आह्वान अभियान की जानकारी तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जानार, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता राघव पुल्ल रेड्डी, अग्रवाल समाज के कार्यध्यक्ष नरेंद्र गोयल, सुरेश सिंघल, शैलेखा अग्रवाल, गोविंद राठी, रमेश बंग, श्रीगोपाल बंग, किरोड़ीमल नरसिंहपुरिया, गिरधारीलाल डागा, शकुंतला नावंदर और कलावती जाजू आदि को दी गई। अभियान के संयोजक एवं लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, रिड्डीश जागीरदार एवं अन्य सदस्यों ने सभी से कार्यक्रम में भाग लेने और सहयोग करने का निवेदन किया।

जुबली हिल्स के पब में डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का मामला, पुलिस की कार्रवाई तेज

पांच महीने में 70 से अधिक लोग बने शिकार, 35 लाख रुपये से ज्यादा की रकम गंवाई

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में स्थित पबों पर पुलिस ने निगरानी तेज कर दी है। डेटिंग ऐप के जरिए लोगों को जाल में फंसाने, अत्यधिक बिल वसूलने, नाबालिगों को शराब परोसने, निर्धारित समय के बाद भी पब खुले रखने और देर रात शोर-शराबे जैसी शिकायतों के बीच पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है।

पिछले पांच महीनों में डेटिंग ऐप के जरिए कथित ठगी के मामलों में 70 से अधिक लोग शिकार हुए हैं और उन्हें 35 लाख रुपये से ज्यादा का नुकसान होने की सूचना है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस वर्ष जनवरी से अब तक पुलिस को 70 से अधिक शिकायतें मिली हैं। इनमें 33 शिकायतें हैदराबाद शहर से, जबकि शेष अन्य पुलिस आयुक्तालयों से प्राप्त हुई हैं। शिकायतें उन पुरुषों और पब में जाने वाले लोगों ने दर्ज कराई हैं, जिन्होंने डेटिंग ऐप के माध्यम से महिलाओं से मुलाकात की थी।

आरोप है कि संबंधित महिलाओं ने उनके साथ पब या रेस्तरां में भारी बिल बनवाए और बाद में वहां से चली गईं।

अधिकारी के अनुसार, इन शिकायतों की जांच के लिए साइबर अपराध पुलिस और शी टीम्स के कर्मियों को शामिल करते हुए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ पबों में अत्यधिक बिल वसूलने और नाबालिगों को शराब परोसने की शिकायतें भी मिली हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले पब संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पब में जाने वाले शोखर ने बताया कि डेटिंग ऐप पर मिली एक महिला को जब वह एक रेस्तरां में ले गए, तो उनसे 28,000 रुपये का बिल चुकाने को कहा गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

साइबर अपराध पुलिस के एक कर्मचारी ने बताया कि प्रत्येक शिकायत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी गैरकानूनी गतिविधि

में संबंधित व्यक्ति, पब प्रबंधन या अन्य पक्ष शामिल हैं या नहीं।

तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजी-सीएसबी) और हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस डेटिंग ऐप और पब में मुलाकातों से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामलों की जांच कर रही है।

एक साइबर अपराध पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में शामिल लोगों की पहचान की जाएगी। पुलिस की टीमें यह पता लगाने के लिए सबूत जुटा रही हैं कि कहीं इन घटनाओं में जानबूझकर धोखा देने, अवैध रूप से भुगतान की मांग करने या अन्य अपराधों को अंजाम देने की गतिविधियां तो शामिल नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस डेटिंग ऐप के जरिए लोगों को कथित रूप से जाल में फंसाने के मामलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। इसके अलावा, कुछ पबों में निर्धारित समय के उल्लंघन, नाबालिगों को शराब परोसने, ध्वनि

प्रदूषण और सार्वजनिक शांति भंग करने जैसी गतिविधियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

जुबली हिल्स इलाके में 33 से अधिक पब संचालित हैं। यहां के निवासियों ने देर रात होने वाले शोर-शराबे, तेज संगीत और सार्वजनिक सड़कों पर होने वाले विवादों को लेकर चिंता जताई है।

पुलिस के बयान के अनुसार, रविवार से गुरुवार तक पबों को आधी रात तक और शुक्रवार तथा शनिवार को रात 1 बजे तक बंद करना अनिवार्य है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि स्थानीय निवासियों को परेशान करने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जनता से ऐसी समस्याओं की सूचना डायल 112 पर देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मचारियों को शोर-शराबे, सार्वजनिक अव्यवस्था और अन्य नियम उल्लंघनों से जुड़ी शिकायतों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के निर्देश दिए गए हैं।

॥ श्री चामुंडा माला नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ हर हर महादेव ॥

राम कृष्ण माखन ट्रेवल्स

गोपाल सोनी बुकिंग नम्बर 6302930977

बृज चौरासी कौंस परिक्रमा यात्रा

श्री रोधा यात्रा संघ हैदराबाद प्रस्तुत करता है एक पवित्र और पुण्यदायी अनुभव ।

भोजन शुद्ध देशी ची में बनाया जायेगा।

भोजन मे दाल, चावल, रोटी, पुड़ी, खीचड़ी, मिठाई, सब्जी, पापड़, खिचिया, पनीर कोपता, आचार, सलाद सहित समयानुसार दिया जायेगा

नीचे रिलपर

ऊपर रिलपर

सीट का किराया

सभी धर्म भेदी सज्जनों को सुचित करते हुए अखन हर्ष हो रहा है कि AC बस स्लीपर ओप द्वारा उपरोक्त धार्मिक व स्मथिय स्थानों व आयोजन किया गया है जो कि दि 10 नवंबर 2026 मंगलवार शाम 5.30 बजे श्री भुवनेश्वरी यन्त्र मंदिर, केमपवाड़ा से रवाना होगी। पितर यात्रीजन व इस धार्मिक यात्रा का लाभ उठाया हो, ये सज्जन 5100/- देकर अपनी सीट आज ही बुक करा लें । सीट नम्बर से ही बुकिंग होगी।

इस यात्रा के मुख्य स्थान व तीर्थ स्थल के नाम यात्रा प्रस्थान : 10 नवंबर 2026, मंगलवार यात्रा अवधि 10 दिन लगभग

हैदराबाद से श्री गंगोत्री, ब्रज चौतली कोत की परिक्रमा - बुन्देलख, यमुना, मान सरोवर, राधावती दर्शन, हावा से बलदेव क लेज 1 बन्दी, आनन्दी, और सागर स्नान, दाऊजी के दर्शन, बलदेव कोलेज से बलदेव रोड गोकुल वाया बख्श घाट, उचलत बन्धन, बीरसी खम्भा पूतना घाट, सननेरी, नई गोकुल दर्शन, रावना जी दर्शन (रामा का उज्ज्व स्वरूप), गोकुल से यमुना घाट, झांझाधीर, गहोली, विष्णु घाट सनानाथ, बसी टीला, नारद टीला, ब्रह्म टीला, श्री कृष्ण जन्मभूमि, मूलेश्वर दर्शन, गहोली से तालावन, कुन्दकुण्ड, कपिल देवकी, हावल् कुण्ड स्नान, माधुरी कुण्ड, से अहीम, गोवर्धन विलोत कुण्ड, सप्त सरोवर, गोवर्धन परिक्रमा, उदय कुण्ड, सुन्दकुण्ड, कुसुम सरोवर नारद कुण्ड, गोविन्द कुण्ड, आत्मा कुण्ड, पुंरुषी लोटा, हनुजी कुण्ड, जतिपुरा, मुखसविन्द दर्शन, मानसी गंगा स्नान, हरदेवी दर्शन गोवर्धन से बलदेव कुण्ड, लाल कुण्ड, बहल से डींग स्टेशन, डींग से आदि बड़ी के दर्शन, तापकुण्ड स्नान आदि बड़ी से केदारनाथ दर्शन गोरीकुण्ड, केदार से धरूप पहाड़ी, विरावकी शिला, भोजन धारी, बुन्देलखी, गोपीनाथजी, कपेश्वर दर्शन, विपल कुण्ड स्नान। कापनन 1 बनवाबे होते हुए मागजी कदन खड्की, मुकुन्दगुजी दर्शन, ऊमरी गांव ललितरा जी के दर्शन, देवद्वान कुण्ड, परिक्रमा, मोरकुटी गृहस्वरण जयपुर शरिर दर्शन, भागु सरोवर, शिवाकुण्ड स्नान, भीमी दर्शन। बरताना से गाजीपुर, टेक बज ग्रेन सरोवर, संकेतपुर, लूका, किलान नन्दगंवा दर्शन, माट के दर्शन, घायन सरोवर, नन्द धवन, पौवां से होराख होते हुए बिहार वन, बिहार वन से वीर घाट, दर्शन, यमुना स्नान नन्द घाट के दर्शन करते हुए यमुना घाट, पवनन से भंडीर वन के दर्शन करते हुए मांट गांव होते हुए बुन्देलख यमुना स्नान व परिक्रमा।

बुध की वाय / कौंकी / दुप / मासा / सुबह, शाम को बुक सकारारी (बुज की में व धर्मलाला सहित)

नोट : 1. यात्राक का पुराना अनुभव होने के कारण यात्रियों को किसी बस्स की परंपरी नहीं होगी। 2. यात्रियों को रेल किस्सा लगाकर 3. बर्थ से यात्राची वधा यात्रियों वधा होने के बाद फिर पहले जका बस्सना होगा। 3. गीत सार से आता सार तक के बर्थों का अपरा विचार किया गया 4. यात्राची वधा होने के बाद फिर पहले जका बस्सना होगा। 4. यात्राक की यात्राक बस्सना का पूर्ण अधिकार होगा। 5. यात्रा व धर्म बुकी वधा 6. यात्राची वधा का किस्सा बस्सी बुक वधा बस्सी 7. जो बस्सी बस्स से बस्सना बस्सी 8. यात्रा बस्सी बस्सी बस्सी को देना होगा। 9. यात्रा के बस्सी बस्स का बस्सना बस्स बस्सी 10. यात्राक बुकिंग वधा नहीं होगी, अपन हूँ तो किस्सा बस्सी नहीं होगा। 11. यात्रा स्लीपर 4 से 10 बस्सी व किस्सा स्लीपर एक बस्सी बस्सना यात्रा 11. स्लीपर के लिए आचार बस्स 2 कोटो देनी अधिकार होगी।

गोपाल सोनी बुकिंग नम्बर 6302930977 बेगम बाजार बालकृष्ण मन्दिर हेरदराबाद

आगामी यात्रा 10 नवंबर बृज चौरासी कौंस यात्रा 9 दिन 13 दिवस मंगलवार नेपाल यात्रा 20 दिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabb@gmail.com.